सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 162 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 27 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

तरबूज की आड़ में गांजा तस्करी, पुलिस गिरफ्त में 6 आरोपी

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस ने 1.12 करोड़ का गांजा जब्त किया है। साथ ही 6 तस्करों को भी पकड़ा है। आरोपी ओडिशा से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ आ रहे थे, इसी दौरान महासमुंद पुलिस ने धर-दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों में दो मध्यप्रदेश और चार उत्तर प्रदेश के रहने वाले है। महासमुंद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन में बड़ी मात्रा में गांजा लोड कर छत्तीसगढ़ लाया जा रहा है। इस सूचना पर सिंघोडा पुलिस ने नाकेबंदी कर वाहन को रूकवाया। आरोपियों से पूछताछ करने पर वाहन में तरबूज होने की जानकारी दी। पुलिस की टीम ने पिकअप की तलाशी ली तो तरबूज के ढेर के नीचे 9 बोरिया दबी मिली। बोरियों को खुलवाने पर उसमें मादक पदार्थ गांजा मिला। करीब 9 बोरियों में 213 पैकेट गांजा रखा हुआ था। गांजे का कुल वजन 225 किलो, जिसकी कीमत 1.12 करोड़ है। पुलिस ने वाहन सवार छह आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों से पूछताछ करने पर गांजा को ओडिशा से लोड कर छत्तीसगढ़ लाने की बात कबूल की है। आरोपियों ने बताया कि गांजे को छत्तीसगढ़ में ही खपाने की तैयारी थी।

रायपुर के सहेली ज्वेलर्स में 6.50 लाख की चोरी

रायपुर। शहर के सदर बाजार स्थित सहेली ज्वेलर्स में 6.50 लाख रुपए के गहनों की चोरी हो गई है। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। आरोपी नामजद है, जिसके चलते पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी का नाम आर्यन शर्मा बताया जा रहा है। कोतवाली पुलिस के अनुसार सदर बाजार स्थित सहेली ज्वेलर्स के प्रबंधक ने कोतवाली थाने में मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक दुकान में काम करने वाले आर्यन शर्मा ने 2 डायमंड और 1 सोने का टॉप्स चोरी कर फरार हो गया। फिलहाल पुलिस उसके संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही है।

विधानसभा के फर्जी एंट्री पास मामले में 5 गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के दौरान फर्जी एंट्री पास बनाए जाने का मामला सामने आया है। मुंबई की मरीन ड्राइव पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मंत्रालय में काम करने वाले कर्मचारी भी शामिल हैं। मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि महाराष्ट्र में विधानसभा सत्र के दौरान एंट्री के लिए नकली पास बनाने की बात सामने आई थी। गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों की पहचान केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी को जेल भेज दिया है।

केन्द्र ने घटाई पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी, पेट्रोल पर 3 और डीजल पर शून्य

ईरान-इस्राइल-अमेरिका तनाव के बीच तेल कंपनियों व आम उपभोक्ता को बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ईरान-इस्राइल-अमेरिका तनाव के बीच उत्पन्न ईंधन के संकट को देखते हुए केन्द्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया। कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों से जूझ रही तेल विपणन कंपनियों, एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी, को राहत देने सरकार ने एक्साइज ड्यूटी कम कर दी है। सरकार के इस निर्णय का छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वागत किया है।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल पर 10 रुपए एक्साइज ड्यूटी घटाने का फैसला किया है। इसके बाद पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी, जो पहले 13 रुपये थी, वो अब घटकर 3 रुपये रह गई है और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी, जो पहले 10 रुपये थी, वो अब शून्य हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि यह कटौती तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में करीब 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

पेट्रोल व डीजल के दाम स्थिर

हालांकि सरकार ने इस संकट के बावजूद अभी तक पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे हैं, जिससे देश में ईंधन विपणन कंपनियां दबाव में थीं। रेटिंग एजेंसी ICRA ने गुरुवार को जारी नोट में कहा कि यदि कच्चे तेल का औसत मूल्य 100-105 डॉलर प्रति बैरल तक रहता है, तो ईंधन कंपनियों को पेट्रोल पर 11 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 14 रुपए प्रति लीटर तक का नुकसान हो सकता है। इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, जो बाद में घटकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल रह गईं। सरकार ने देश में तेल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए एक्साइज ड्यूटी में कटौती कर तेल कंपनियों को होने वाले नुकसान को कवर किया है।

यह निर्णय प्रधानमंत्री की संवेदनशीलता व दूरदर्शिता का परिचायक : सीएम साय

केंद्र सरकार द्वारा डीजल को एक्साइज ड्यूटी से मुक्त करने और पेट्रोल पर 10 प्रति लीटर की कटौती करते हुए एक्साइज ड्यूटी को मात्र 3 प्रति लीटर करने के निर्णय का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे देश के 140 करोड़ नागरिकों को सीधी राहत पहुंचाने वाला ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस निर्णय से देश के प्रत्येक परिवार, किसान, श्रमिक और मध्यमवर्ग को व्यापक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट के इस दौर में भी केंद्र सरकार द्वारा आम नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ न बढ़ने देना एक बड़ी संवेदनशील पहल है, जो आमजन के जीवन को सीधे प्रभावित करेगी।

आईएएस रजत बंसल को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बनाए गए जनसंपर्क आयुक्त

- सीएम सचिवालय में विशेष सचिव व संवाद के सीईओ भी बने

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने आईएएस रजत बंसल जनसंपर्क विभाग का आयुक्त बनाया है। जनसंपर्क आयुक्त के साथ ही उन्हें सीएम सचिवालय में विशेष सचिव की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही वे संवाद के सीईओ की जिम्मेदारी भी देखेंगे। रजत बंसल वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम में अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं। अलावा उन्हें कई अहम विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इससे पहले जनसंपर्क विभाग के आयुक्त की जिम्मेदारी रवि मित्तल संभाल रहे थे। गुरूवार को सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

दूसरी ओर वर्ष 2016 बैच के आईएएस अफसर रवि मित्तल को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में डिप्टी सेक्रेटरी पद के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है। आदेश के मुताबिक आईएस रवि मित्तल 31 मार्च को अपराह्न कार्यमुक्त होंगे। इसके बाद वे पीएमओ में अपनी नई जिम्मेदारी संभालने के लिए दिल्ली जाएंगे। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

पहले प्रयास में आईपीएस बने फिर आईएएस

रजत बंसल छत्तीसगढ़ कैडर के 2012 बैच के आईएएस ऑफिसर हैं। वे हरियाणा के रहने वाले हैं। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने के बाद, उन्होंने एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम किया। उन्होंने अपनी पहली कोशिश में ही आईपीएस रैंक हासिल की थी। हालांकि उनका पूरा फोकस आईएएस बनने पर था और फिर दूसरी कोशिश में वे आईएएस बने। आईएएस बनने के बाद रजत बसंल अब तक छत्तीसगढ़ कई पदों पर रहे। अब वे जनसंपर्क आयुक्त के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे।

चार महिला सहित छह नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। कांकेर व राजनांदगांव की सीमा में दो दिनों से हो रही मुठभेड़ के बाद पांच कैडरों ने नक्सलियों की खोखली विचारधारा से त्रस्त होकर अपने हथियार लेकर आत्मसमर्पण कर दिए। नक्सलियों ने अपने साथ हथियार भी जमा करवाए हैं।

बता दें कि कांकेर जिला अंतर्गत विगत दो दिनों में राजनांदगांव कांकेर बॉर्डर डिवीजन के पांच नक्सली कैडर एवं मिलिट्री कंपनी-5 के एक कैडर ने नक्सलियों का साथ छोड़ते हुए मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया था, जिसके बाद एसीएम मंगेश पोडियमी, एसीएम गणेश वीके, एसीएम मंगती जुर्री, एसीएम हिडमे मरकाम उर्फ सुनीता, एसीएम राजे, पीपीसीएम स्वरूपा उसेंडी, पीएलजीए कंपनी-05 ने तीन हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है, जिसमें एक एसएलआर तथा दो 303 राइफल शामिल हैं।

नक्सलियों ने बताया कि शासन की पुनर्वास नीति के तहत और भी नक्सली हैं जो मुख्यधारा में आना चाहते हैं, वहीं इलाके में सक्रिय अन्य नक्सली कैडरों से चर्चा कर उन्हें भी मुख्यधारा में शामिल कराने के प्रयास जारी हैं। ये सभी छह नक्सली कैडर, जिन्होंने पुनर्वास का मार्ग चुना है, उनके सामाजिक मुख्यधारा में आने व हथियारों की सुपुर्दगी भी की गई।

बस्तर रेंज आईजी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने एक बार फिर शेष बचे कुछ नक्सली कैडरों से हिंसा त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील दोहराई है, उन्होंने कहा कि जो कैडर शांतिपूर्ण एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आगे आएंगे, उन्हें पुनर्वास नीति के अंतर्गत सभी प्रकार की सहायता प्रदान की जाएगी, सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर पिछले 26 महीनों में 2700 से अधिक नक्सली कैडर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं।

नेपाल में बालेंद्र शाह ने पीएम पद की ली शपथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुआ कार्यक्रम

काठमांडू ए.। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में शुक्रवार से नए युग की शुरुआत हो गई है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह को आज नेपाल का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। जिसके बाद बालेंद्र शाह को पीएम पद की शपथ दिलाई गई। बालेंद्र शाह नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री बन गए हैं।

बालेंद्र शाह ने शुक्रवार दोपहर 12:34 बजे राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। पद और गोपनीयता की यह शपथ हिंदू रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर सात शंखनादकों ने शंख ध्वनि के साथ मांगलिक शुरुआत की। परंपरा के अनुसार, शुभ कार्यों के आरंभ में शंखनाद को सफलता और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है।शाह ने पूर्वी नेपाल के झापा-5 में पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को 49,614 वोटों के बड़े अंतर से हराया, उन्हें 68,348 वोट मिले, जबकि ओली को 18,734 वोट मिले। यह 1991 के बाद से नेपाल के संसदीय चुनावों में किसी भी उम्मीदवार को मिले सबसे ज्यादा वोट हैं।

कोरबा के गढकलेव चौपाटी में दो दुकानों से गैस सिलेंडर चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत घंटाघर स्थित गढ़कलेवा चौपाटी में गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने दो दुकानों से गैस सिलिंडर चुरा लिए। शुक्रवार सुबह जब दुकानदार अपनी दुकानें खोलने पहुंचे तो इस घटना की जानकारी हुई। चोरों ने दुकानों में रखे पैसे और अन्य कीमती सामान को छुआ तक नहीं, केवल गैस सिलिंडर पर हाथ साफ किया। इस घटना ने चौपाटी में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चौपाटी संघ के अध्यक्ष रवि वर्मा ने बताया कि चौपाटी में लगभग 60 से अधिक दुकानें हैं, इसमें कई लोगों का परिवार चलता है। जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने मनोज फास्टफूड और जगदीश की दुकान पर चोरी की घटना का अंजाम दिया है। जहां से नगदी रकम न ले जाकर के केवल गैस सिलिंडर की चोरी कर ले गए हैं, इसकी शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस से की गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गैस सिलिंडर को लेकर काफी किल्लत है जो बड़ी आसानी से नहीं मिल पा रही है।

कबीरधाम में बड़ा धान घोटाला : खरीदी प्रभारी ने डकार लिया 70 लाख का धान, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। जिले के पेण्ड्रीकला धान खरीदी केंद्र में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। यहां 70.43 लाख रुपए से अधिक की धान हेराफेरी का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने खरीदी प्रभारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीदी की प्रक्रिया में भारी अनियमितताओं की शिकायत मिली थी। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव शाखा कुण्डा के माध्यम से यह शिकायत दर्ज कराई गई। कलेक्टर के निर्देश पर एक जांच टीम का गठन किया गया, जिसने मामले की पड़ताल की। जांच के दौरान जो तथ्य सामने आए, वे चौंकाने वाले थे। रिकॉर्ड के अनुसार 12 जनवरी 2026 तक केंद्र में 23,319.20 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज थी। इसमें से 3,880 क्विंटल धान का उठाव हो चुका था।

शेष 19,439.20 क्विंटल धान केंद्र में मौजूद होना चाहिए था। लेकिन जब भौतिक सत्यापन किया गया, तो मौके पर मात्र 17,167.20 क्विंटल धान ही मिला। इस प्रकार रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक के बीच 2,272 क्विंटल धान का अंतर पाया गया। इस कमी की कीमत सरकारी दर पर 70 लाख 43 हजार 200 रुपये आंकी गई। जांच रिपोर्ट में साफ तौर पर सामने आया कि धान खरीदी प्रभारी विवेक चंद्राकर ने तौल पत्रक और रजिस्टर में कूटरचना कर धान की हेराफेरी की। पुलिस ने इस पूरे मामले को अमानत में खियानत मानते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया। विवेचना के दौरान गवाहों और जांच टीम के बयान लिए गए तथा दस्तावेजी साक्ष्य जुटाए गए। पूछताछ में आरोपी विवेक चंद्राकर ने भी रिकॉर्ड में गड़बड़ी कर धान की हेराफेरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

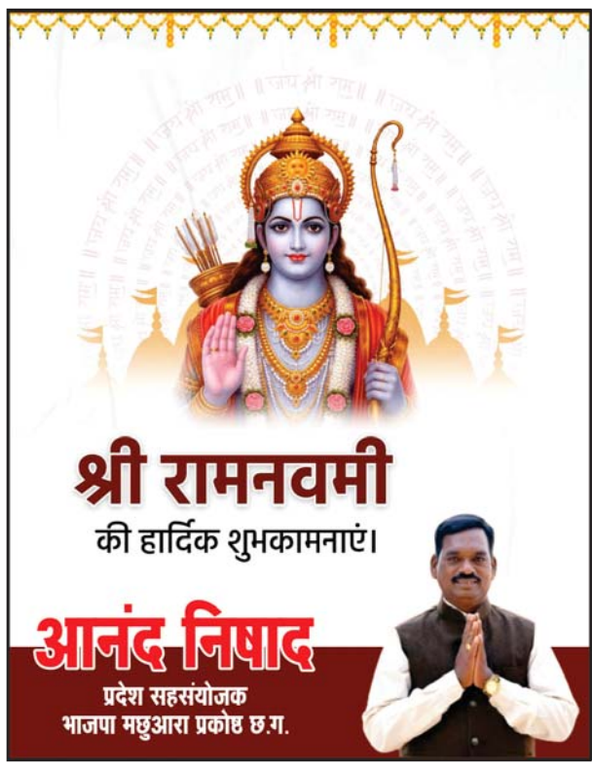

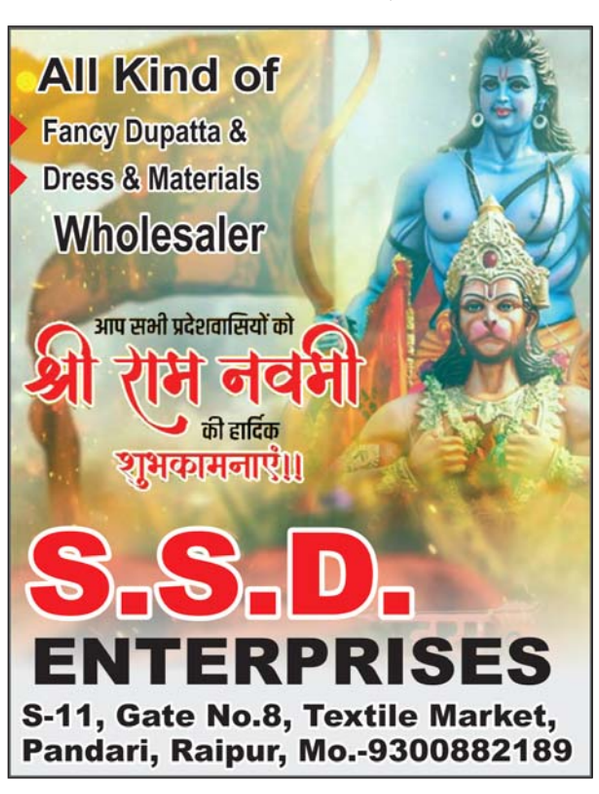

संपादकीय

सीमा-कर पर टकराव

गैरजरूरी खींचतान में फंसे पंजाब-हिमाचल

सही मायनों में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में सीमा प्रवेश शुल्क को लेकर जारी विवाद ने देश के संघीय ढांचे में व्याप्त एक गहरी खामी को ही उजागर किया है। जो बताता है कि देश के राज्यों की राजस्व जरूरतों तथा अंतर्राज्यीय आवागमन के सिद्धांतों के बीच टकराव के कारण मौजूद हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से रूबरू है। उसने अपने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिये दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर राज्य में प्रवेश करने का शुल्क लगभग दोगुना करने का निर्णय लिया है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश ने यह फैसला अपने आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए लिया था। लेकिन यह वित्तीय फैसला बाद में हिमाचल प्रदेश व पंजाब में राजनीतिक व आर्थिक विवाद का रूप ले चुका है। यही वजह है इस फैसले से ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब ने भी हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर ऐसे ही कर बढ़ाने की धमकी दे दी है। वास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दर्शाता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यह बढ़ाया गया प्रवेश शुल्क पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। खासकर पड़ोसी राज्य पंजाब से आने वाले कम बजट के साथ यात्रा पर निकले पर्यटकों के लिये, जो कि सप्ताहांत में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा है। निस्संदेह, इस फैसले से ऐसे पर्यटक हतोत्साहित हो सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि मौजूदा प्रतिस्पर्धी पर्यटन के परिदृश्य में टैक्स बढ़ाए जाने पर पर्यटक वैकल्पिक पहाड़ी पर्यटक स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। राज्य द्वारा बाद में इस कर-वृद्धि के फैसले की समीक्षा करने का निर्णय लेना, निश्चित रूप से इस मुद्दे की आर्थिक संवेदनशीलता को ही दर्शाता है।

> “महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएवास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दर्शाता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यह बढ़ाया गया प्रवेश शुल्क पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है।

यह भी एक हकीकत है कि दो राज्यों के बीच लिए गए कर बढ़ाने के ऐसे फैसलों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक चुनौती का सामना कर रहा है, पंजाब की प्रतिक्रिया संवेदनशील ढंग से सामने आनी चाहिए थी। ऐसे में पंजाब की हिमाचल की तर्ज पर कर बढ़ाने की चेतावनी प्रतिशोधात्मक नीति पर चलने के अप्रिय फैसले को ही उजागर करती है। इस तरह की बदले में कर लगाने की नीति राजनीतिक दृष्टि से भले ही सुविधाजनक लगती हो, लेकिन आम लोगों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे निर्णय से दैनिक यात्रियों, परिवहन उद्योग से जुड़े लोगों और छोटे व्यवसायियों की आवाजाही बाधित हो सकती है। इनकी यात्रा की सुगमता सीमा पार सुचारू आवागमन पर निर्भर करती है। निर्विवाद रूप से दोनों राज्यों के बीच अंतर्राज्यीय गलियारे व्यापार, श्रम गतिशीलता और क्षेत्रीय एकीकरण की जीवन रेखा के पर्याय होते हैं। यदि हम व्यापक स्तर पर इस समस्या को देखें तो यह घटनाक्रम देश के संघवाद की भावना पर भी प्रश्न उठाता है। यह एक हकीकत है कि वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी ढांचे द्वारा समर्थित हमारी आर्थिकी की संरचना का लक्ष्य आंतरिक व्यापार बाधाओं को कम करना है। दूसरे अर्थों में देखें कि बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों पर असमान रूप से लक्षित करके अतिरिक्त प्रवेश-कर लगाना, इस उद्देश्य को कमजोर कर सकता है। जो अतीत की उस दोषपूर्ण 'चेक पोस्ट' अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकती है, जो तमाम विसंगतियों को लिए हुए थी। निर्विवाद रूप से ऐसे मामलों में अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत होगी। यदि राज्य का राजस्व वृद्धि ही लक्ष्य है तो इसके लिये तर्कसंगत टोल प्रणाली को अपनाना होगा। वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे के रखरखाव से जुड़े लक्षित उपयोगकर्ता शुल्क जैसे विकल्पों पर भी विचार करना होगा। साथ ही अंतर्राज्यीय संबंधों को टकराव की बजाय संवाद के माध्यम से सुलझाने की जरूरत है। वह भी तब जब हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र और पंजाब के मैदानी इलाके आर्थिक रूप से एक-दूसरे पर निर्भर हैं। पड़ोसी को साझेदार की बजाय राजस्व स्रोत के रूप में देखने की प्रवृत्ति दोनों के लिये नुकसान दायक साबित होगी।

संगीत में पुराने दौर की गरिमा लौटाने का वक्त

फिल्मी गीतों में हमेशा प्रेम, आकर्षण व अंतरंगता जैसे विषयों को भी गहरे प्रतीकों व गरिमा के साथ पेश किया गया है। किंतु मौजूदा दौर में, खासकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाजुक संतुलन गड़बड़ा रहा है। बंदूकें, धन और ताकत का प्रदर्शन करने वाले संगीत के वीडियो भले रोमांचक लगते हों, लेकिन नयी पीढ़ी पर उनका गलत असर हो रहा है।

राजबीर देसवाल

फिल्मी गीतों में हमेशा प्रेम, आकर्षण व अंतरंगता जैसे विषयों को भी गहरे प्रतीकों व गरिमा के साथ पेश किया गया है। किंतु मौजूदा दौर में, खासकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाजुक संतुलन गड़बड़ा रहा है। बंदूकें, धन और ताकत का प्रदर्शन करने वाले संगीत के वीडियो भले रोमांचक लगते हों, लेकिन नयी पीढ़ी पर उनका गलत असर हो रहा है।

भारतीय फिल्मी गाने कभी भी महज मनोरंजन का साधन नहीं रहे हैं; उन्होंने हमेशा समाज की भावनात्मक गहराई, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और परिष्कृत सौंदर्यबोध को प्रतिबिम्बित किया। एक समय था जब हिंदी सिनेमा ने प्रेम, आकर्षण और शारीरिक अंतरंगता जैसे विषयों को भी असाधारण गरिमा से प्रस्तुत किया था। बोल विचारोत्तेजक होते हुए भी संयमित, अभिव्यक्ति करते वक्त गरिमामय रहते थे। किंतु, वर्तमान दौर में, विशेषकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाजुक संतुलन अब लुप्तप्राय है; उसकी जगह उघड़ी कामुकता और सनसनी की प्रवृत्ति ने ले ली है।

नोरा फतेही के नृत्य-गीत 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर हाल ही में खड़ा हुआ विवाद इसी बदलाव का एक उदाहरण है। इस गाने की इसके कथित अश्लील बोलों और बेहद कामुक प्रस्तुति के लिए आलोचना हुई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों, अनौपचारिक बैठकों व बहस के मंचों पर जनाक्रोश दिखा। बताया जाता है कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फ़िल्म सर्टिफिकेशन जैसे प्राधिकरणों ने वकील विनीत जिंदल की शिकायत के बाद मामले का संज्ञान लिया, मानवाधिकार आयोग ने भी इस बारे नोटिस जारी किया।

बादशाह के 'टटीरी' गीत मामले में भी कुछ ऐसा ही हंगामा देखने को मिला था। इस हरियाणवी रैप गाने का इसके बोलों और दृश्यों को लेकर व्यापक विरोध हुआ, जिन्हें अश्लील और स्त्री को बतौर वस्तु प्रस्तुत करने वाला माना गया। इसके बाद कानूनी शिकायतें दर्ज की गईं, और हरियाणा राज्य महिला आयोग ने कलाकार को स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया, पेश न होने पर कड़े निर्देश जारी किए, जिनमें गिरफ़्तारी, पासपोर्ट ज़ब्ती और राज्य में उसकी प्रस्तुतियों पर रोक लगाना शामिल था। मामला और तूल पकड़ गया, जब एक एफआईआर में गाने की सामग्री अश्लील बतायी गयी-खासकर वे दृश्य जिनमें स्कूल जैसे माहौल में अनुचित चित्रण किया गया था। अंतत:, बढ़ते विरोध के दबाव में इस गाने को वापस लिया और माफीनामा भी जारी किया। इस घटना ने जो बड़ा सवाल खड़ा किया कि कलात्मक आजादी व सामाजिक ज़िम्मेदारी के बीच सीमा रेखा कहां खींची जाए-वो अभी अनुत्तरित है।

ये घटनाएं कोई अलग-थलग मामले नहीं; बल्कि समकालीन संगीत जगत में एक व्यापक चलन की ओर संकेत करती हैं। अनेक आधुनिक गाने अब 'सभ्य रुचि' की सीमाएं लांघते प्रतीत होते हैं; इनमें ऐसी भाषा व दृश्यों का प्रयोग किया जाता है जो श्रोताओं के बड़े वर्ग को भोंडे व असहज करने वाले लगते हैं। ऐसी भाव-भंगिमाएं या अभिव्यक्तियां जो खुलेआम अश्लील इशारे करती हैं, या व्यक्तियों को महज़ वस्तु के रूप में पेश करती हैं, ये उस ज़हीन और गरिमामय रोमांस के चित्रण की जगह ले रहे हैं, जो कभी फिल्मी संगीत की पहचान था। ऐसे बोल अक्सर भावनात्मक जुड़ाव पेश करने के बजाय, रोबदार छवि और खोखले दिखावे के भाव ही अधिक परिलक्षित करते हैं।

ऐसी सामग्री की बढ़ती लोकप्रियता शायद सबसे ज़्यादा चिंताजनक है। म्यूज़िक वीडियो में अक्सर हिंसा, आक्रामकता और वस्तुवाद-बंदूकें, लक्ज़री कारें और शक्ति-प्रदर्शन-जैसे दृश्य अधिक रखे जाते हैं। कुछ खास वर्ग में, जिनमें पंजाबी पॉप और रैप शामिल हैं, दबदबे और मर्दानगी के बार-बार दोहराए जाने वाले विषयवस्तु ही हावी रहते हैं। जहां ये चीज़ें तुरंत आकर्षित करती हैं और जोश भर सकती हैं वहीं इनसे सांस्कृतिक सोच बदलने का खतरा रहता है-खासकर उन संवेदनशील युवाओं में, जो इन छवियों को तेज़ी से अपनाते हैं।

रचनात्मक स्वतंत्रता कलात्मक अभिव्यक्ति की नींव है और इसका सम्मान होना चाहिए। हालांकि, यह पहचान रखना भी उतना ही अहम है कि दीर्घकालीन कलात्मकता अक्सर कल्पनाशीलता, भाषा और संयम के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण से उभरती है। जब गूढ़ता की जगह उघड़ापन आता है, तो अभिव्यक्ति की सौंदर्यपरक गुणवत्ता कम होने लगती है। पिछले दशकों के गीतों पर नज़र डालने से एक स्पष्ट अंतर दिखता है। तब भी, प्रेम, विरह और शारीरिक अंतरंगता के विषय ही मुख्य थे, फिर भी उन्हें शालीनता और काव्य-सौंदर्य के साथ व्यक्त किया जाता था। 'आज साजन मोहे अंग लगा लो' या 'पिया अंग लग लग के भई सांवली मैं' जैसी पंक्तियां स्पष्टतया सामीप्य की इच्छा व्यक्त करती हैं, लेकिन ऐसा वे गरिमा और संगीतमयता के साथ करती हैं। इसी तरह, 'शरारत करने को ललचाये रे मेरा मन' गाना चंचलता भरी चाहत को बिना अश्लीलता की सीमा पार किए व्यक्त करता है।

रोमांस की और भी गहरी प्रत्यक्ष अभिव्यक्तियों को भी नफ़ासत से गढ़ा गया था। श्रोता स्पष्टता की बजाय अपरोक्ष संकेतों के माध्यम से अंतरंगता को महसूसता है, जिससे कल्पना को पूरी तस्वीर बनाने का अवसर मिलता है। कालजयी गीत 'बांहों में चले आओ' (मजरूह सुल्तानपुरी) पर भी विचार करें, जो उकसाने के बजाय गर्मजोशी और स्नेह के साथ निकटता का निमंत्रण है। या फिर भावपूर्ण गीत 'रात अकेली है, बुझ गए दीये...' जो सौम्य अंतरंगता का माहौल रचता है। ऐसी रचनाएं दर्शाती हैं कि भावनात्मक गहराई और गरिमा कैसे एक साथ हो सकती हैं। पुराने गीतों की रचना में रूपकों ने अहम भूमिका निभाई। 'मैं नदिया फिर भी मैं प्यासी' जैसी अभिव्यक्तियां काव्य-समृद्धि के साथ विरह को व्यक्त करती हैं, जबकि 'तेरे लबों को चूम लूं मैं' जैसी पंक्तियां स्पष्टत: उत्तेजक होते हुए भी परिष्कृत रहती हैं।

महत्वपूर्ण यह है कि जवानी और चाहत के विषयवस्तु वाले गीत-'चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी', या 'आज मैं जवान हो गई हूं'-एक नाजुक संतुलन बनाए रखते थे। उनका चंचल अंदाज़ और काव्यात्मक आवरण यकीनी बनाता था कि अभिव्यक्ति अभद्रता के स्तर तक न गिरे।

हालांकि, यह कहना गलत होगा कि आधुनिक संगीत में परिष्कृतता नहीं है। कई समकालीन रचनाएं सूक्ष्म प्रेम की परंपरा को कायम रखती हैं। 'पहला नशा', 'तुम ही हो', 'रातां लम्बियां', 'केसरिया' और 'तेरा बन जाऊंगा' जैसे गीत दर्शाते हैं कि श्रोता आज भी संजीदगी, मधुरता और भावनात्मक प्रामाणिकता पसंद करते हैं।

आजकल के कई गीतों को लेकर गहरी चिंता सिर्फ उनकी शब्दावली से नहीं बल्कि उनके द्वारा प्रस्तुत जीवनदर्शन में भी निहित है। पैसा, आक्रामकता और वस्तुकरण पर बार-बार ज़ोर देने से ऐसे मूल्यों के सामान्यीकरण का खतरा रहता है। जब संगीत सफलता के सतही प्रतीकों-चमकदार जीवनशैली, प्रभुत्व बनाने व शक्ति प्रदर्शन-का महिमामंडन करता हो, तो यह अनजाने में आकांक्षाओं व सामाजिक व्यवहार पर असर डाल सकता है।

सिनेमा और संगीत का समाज के साथ हमेशा एक गतिशील संबंध रहा। ये दोनों ही प्रचलित रुझानों को प्रतिबिंबित करते हैं और उन्हें आकार देते हैं। इसलिए, यह सवाल वाजिब है कि क्या तुरत-फुरत लोकप्रियता और वायरल सफलता की चाहत कलात्मक गरिमा व सांस्कृतिक संवेदनशीलता की कीमत पर होनी चाहिए। अंतत:, इस चर्चा का उद्देश्य निंदा नहीं, बल्कि चिंतन करना है। मंतव्य उस दौर को याद करना है जब फिल्मी संगीत में रोमांस, चंचलता और काव्यात्मक सौंदर्य का संतुलन था, बिना अश्लीलता का सहारा लिए। वह विरासत आज भी रचनाकारों के लिए मूल्यवान मार्गदर्शक है।

शायद आज कलात्मकता की नए सिरे से सराहना करने की जरूरत है-जहां रूपक, कल्पना और भाषाई शालीनता फिर से प्रेम और मानवीय भावनाओं के चित्रण को समृद्ध करें। जब यह संतुलन बहाल होगा, तब भारतीय फिल्मी गीत उस शाश्वत आकर्षण को बनाए रखते हुए विकसित होते रह सकते हैं जिसने उन्हें कभी चिरस्थायी सांस्कृतिक धरोहर बनाया था।

लेखक हरियाणा के पूर्व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं।

मूर्ख बनने और बनाने के सेंसेक्स में उछाल

राकेश सोहम

राजनीति में मूर्ख बनाने की कला अहम? है। नेताई मानसिकता के लोग इस कला में पारंगत होते हैं। पूरी भीड़ को एक साथ मूर्ख बना सकते हैं! आश्वासनों की घुट्टी पिलाकर 'वोट' झटक लेते हैं।

मूर्खता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है! हमें मूर्ख होने से कोई नहीं रोक सकता। बच्चे मूर्खताएं करते हैं। डांट खाते हैं। उन्हें समझाना पड़ता है। समझ आने से मूर्खता में गिरावट आती है। मूर्खता की गिरावट के लिए ही पाठशाला गमन की व्यवस्था दी गई होगी। मेरे कक्षा शिक्षक अक्सर कान उमेंठते थे, 'मूरख कहीं का! पढ़ाई-वढ़ाई किया करो वरना मूर्ख ही रहोगे।' तब से लेकर आज तक मैं मूर्खता को नहीं भूला। भूलना भी नहीं चाहिए। मूर्खता आदमी को सक्रिय बनाए रखती है। एक पत्नी अपने पति को उसकी मूर्खता का स्मरण कराकर सक्रिय बनाए रखती हैं।

हालांकि, 'मूर्ख-दिवस' तीज-त्योहारों की भांति पारंपरिक लोकाचार बनकर रह गया है। अब तो बारह महीने, चौबीसों घंटे मूर्ख बनने और बनाने का धंधा चालू है। मूर्खता के स्मरण के लिए एक अप्रैल की दरकार नहीं। आदमी कभी भी, कहीं भी मूर्ख बनाया जा सकता है। जनकलाल उच्च शिक्षित ओहदेदार नागरिक हैं। उन्हें मूर्ख नहीं बनाया जा सकता, लेकिन पिछले दिनों 'डिजिटल-अरेस्ट' हो गए। नकली पुलिस अधिकारी ने दिखावटी थाने से नाटकीय धमकी देकर जनकलाल को कैद रखा और मूर्ख बनाया। उनकी ओहदाई ठसक पंचर हो गई। समझदारी तेल लेने निकल गई। उनकी मूर्खता उनकी नज़रों के सामने से जमा-पूंजी ले उड़ी।

मूर्ख बनाना एक कला है। निपुण कलाकार बखूबी मूर्ख खड़े कर लिया करते हैं। महकमों में बैठे ओहदेदार याचकों को मूर्ख बनाते हैं। व्यापारी ग्राहकों को मूर्ख बनाकर ठगते हैं। कल गैस लेने गया। सिलेंडर को हिलाया और गुस्साया, 'लाइन में खड़े खड़े तीन घंटे हो गए, ऊपर से गैस भी कम है?' वितरक टेढ़े होंठ करके मुस्कुराया, 'तो... मत लो सिलेंडर?' मैं मन ही मन गुर्राया, 'बदमाश कहीं का! मूर्ख बनाता है।'

राजनीति में मूर्ख बनाने की कला अहम? है। नेताई मानसिकता के लोग इस कला में पारंगत होते हैं। पूरी भीड़ को एक साथ मूर्ख बना सकते हैं! आश्वासनों की घुट्टी पिलाकर 'वोट' झटक लेते हैं। एक चुनावी सभा में नेता जी आश्वासनों की घुट्टी पिला रहे थे। तभी उनका मुंह-लगा चमचा फुदककर श्रीचरणों से लिपटकर फुसफुसाया, 'सरजी, कुछ ज्यादा नहीं हो गया? बेचारी जनता को बनाए चले जा रहे हैं!' नेता जी ने फ़ौरन माइक पर हाथ धरा और फटकार लगाई, 'तो क्या बताकर बनाऊंगा? जनता बिदक जाएगी। हमें राजनीति न सिखाओ मूर्ख।' चमचा मिनमिनाया, 'कई बार जनता भी तो बना देती है हुजूर!' बहरहाल, कुछ राज्यों में हालिया चुनावी सरगर्मी के चलते मूर्ख बनने और बनाने के सेंसेक्स में उछाल की प्रबल संभावना है।

पाक की मध्यस्थता महज़ अवसरवाद

के.एस. तोमर

पाक ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान आज एक रणनीतिक विरोधाभास में फंसा हुआ है—एक ओर वह अपनी पश्चिमी सीमा पर तालिबान के साथ बढ़ते संघर्ष में उलझा है, वहीं दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में खुद को प्रस्तुत कर कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है।

दरअसल, पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के एक अत्यंत जटिल रणनीतिक दौर से गुजर रहा है। उसके पश्चिमी पड़ोस में तेजी से बदलते घटनाक्रम—ईरान में अस्थिरता और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ बिगड़ते रिश्ते—ने एक ऐसा भू-राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे इस्लामाबाद न तो नजरअंदाज कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है। दशकों तक 'रणनीतिक गहराई' का जो ढांचा पाकिस्तान ने तैयार किया था, वह अब टूटता हुआ दिख रहा है। उसकी जगह अब अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और सीमावर्ती जोखिमों ने ले ली है। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा कभी शांत नहीं रही। ईरान से जुड़ी अस्थिरता इस्लामाबाद के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। ईरान केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के कठिन इलाकों से गुजरती है, जहां अलगाववादी समूह और तस्करी नेटवर्क सक्रिय रहे हैं। ईरान में किसी भी बड़े संकट से सीमा पार आतंकी गतिविधियां बढ़ सकती हैं और पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में हालात बिगड़ सकते हैं। पाकिस्तान की पुरानी ऊर्जा कमी ने ईरानी गैस को एक विकल्प बनाया है। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण रुकी हुई ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन अब भी एक संभावित समाधान मानी जाती है। लेकिन ईरान में अस्थिरता इस संभावना को और कमजोर कर सकती है और पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियों को और जटिल बना सकती है। इस समय पाकिस्तान में बड़ी शिया आबादी है और अतीत में सांप्रदायिक तनाव हिंसा में बदलता रहा है। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संकट इन आंतरिक विभाजनों को भड़का सकता है और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान के साथ संबंध इस उम्मीद में बनाए रखे कि काबुल में एक अनुकूल सरकार उसे रणनीतिक लाभ देगी। लेकिन 2021 में तालिबान की वापसी ने अपेक्षित परिणाम नहीं दिए। इसके विपरीत, संबंध लगातार बिगड़ते गए हैं। मुख्य विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी है, जो पाकिस्तान में कई हमलों के लिए जिम्मेदार है। इस्लामाबाद का आरोप है कि अफगान तालिबान उसे संरक्षण देता है। सीमा पार हमले और तीखी बयानबाजी ने स्थिति को खतरनाक बना दिया है। जो संबंध कभी वैचारिक निकटता का प्रतीक था, वह अब अविश्वास और सीमित सैन्य टकराव में बदल चुका है। डूरंड रेखा का विवाद भी इस तनाव को और गहरा करता है। तालिबान इसे मान्यता देने से इंकार करता है, जबकि पाकिस्तान इसे अपनी संप्रभुता का मुद्दा मानता है। इन दबावों के बीच कुछ सीमित अवसर भी दिखाई देते हैं। यदि ईरान बाहरी संकटों में उलझता है तो बलूच सीमा पर उसका ध्यान कम हो सकता है। अफगानिस्तान की आर्थिक कमजोरी तालिबान को पाकिस्तान के साथ व्यावहारिक समझौते की ओर धकेल सकती है। पाकिस्तान क्षेत्रीय मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, जिससे उसकी प्रासंगिकता कुछ हद तक बढ़े। लेकिन यह रणनीति जोखिमों से भरी है और इसके परिणाम पूरी तरह अनिश्चित हैं।

भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित संकेत देती है। पाकिस्तान की पश्चिमी समस्याएं उसके संसाधनों पर दबाव डालती हैं, जिससे पूर्वी सीमा पर ध्यान कम हो सकता है। लेकिन यह अपने आप भारत के लिए लाभकारी नहीं है। इसलिए भारत इन घटनाक्रमों को सावधानी और संतुलन के साथ देख रहा है।

चीन इस परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उसके निवेश ढांचे का अहम हिस्सा है। पश्चिमी सीमा पर अस्थिरता इन योजनाओं के लिए खतरा है। चीन को चिंता है कि अफगानिस्तान के उग्रवादी नेटवर्क शिनजियांग को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए वह इस्लामाबाद और काबुल के बीच संवाद को बढ़ावा देता है और आर्थिक सहयोग को स्थिरता का माध्यम मानता है।

दरअसल, पाकिस्तान की चुनौती उसकी पुरानी रणनीति में है। दशकों तक उसने गैर-राज्य तत्वों का उपयोग किया, जो अब उसके लिए ही चुनौती बन गए हैं। यह स्पष्ट रूप से रणनीतिक 'ब्लोबैक' की स्थिति है। विकल्प केवल रणनीतिक पुनर्संतुलन है—क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक एकीकरण और उग्रवाद से दूरी। लेकिन यह परिवर्तन कितना संभव है, यह अभी अनिश्चित है।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़

मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं, क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष ने संसदीय कार्यवाही के संचालन में अपने प्रति भेदभाव के साथ-साथ सत्ता पक्ष से स्पीकर की मिलीभगत का आरोप खुल कर लगाया। जैसा अनुमान था, अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया गया। मगर जिस रोज ये हुआ, उसी दिन विपक्ष के 180 सांसदों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पेश होने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर दस्तखत कर दिए। अब इस प्रस्ताव को दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। विचार के लिए प्रस्ताव के स्वीकार होने की प्रक्रिया लंबी है, इसलिए इस पर बहस के लिए (अगर वो हुई तो) अभी इंतजार करना पड़ेगा।

वैसे, चर्चा हुई भी, तो यह अनुमान पहले से लगाया जा सकता है कि इसका हश्र स्पीकर के खिलाफ पेश प्रस्ताव से अलग नहीं होगा। कारण संसदीय गणित है। आज के माहौल में इसकी उम्मीद तो नहीं की जा सकती कि सत्ता पक्ष चुनाव प्रक्रिया की स्वच्छता एवं निष्पक्षता की व्यापक अपेक्षाओं को अपने दलगत हित पर तरजीह देकर समझने का प्रयास करेगा कि विपक्ष आखिर संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति से इतना ख़फा क्यों है? और यही समस्या की जड़ है। मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। उसे मतदाताओं की गोलबंदी की अपनी क्षमता पर इतना भरोसा है कि व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।

नतीजा, अब तक राजनीतिक विवाद से परे माने जाने जानी संवैधानिक संस्थाएं और उनमें पदासीन प्राधिकारी अब रोजमर्रा की सियासत का मुद्दा बन गए हैं। उनको लेकर जनमत बंटता चला गया है। लोकतंत्र के दीर्घकालिक भविष्य के लिए इससे ज्यादा चिंताजनक बात कोई और नहीं हो सकती। अगर राजनीतिक समूह और जनमत के एक बड़े दायरे का मुख्य निर्वाचन आयुक्त एंव स्पीकर पर यकीन नहीं है, तो उससे चुनाव एवं संसदीय प्रक्रियाएं लांछित हो जाती हैं। जो लोग इसके खतरे को आज गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, वे इस देश के लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भगवे रंग में रंगी ट्विनसिटी, जय श्रीराम के नारे गूंजें

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति की ओर से लगातार 41वां साल रामनवमीं के उपलक्ष्य पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। ट्विनसिटी भगवे रंग में रंगा रहा। भगवे रंग के ध्वज, तोरन और पताका लहराते रहे। इस दौरान जय श्री राम का नारा गूंजता रहा। झांकियों में राम लीला का चित्रण किया गया। वक्ताओं ने भिलाई की सांस्कृतिक विरासत, समिति के काम का उल्लेख किया। राम नाम की महिमा का बखान किया।

100 बीमित श्रमिकों का निःशुल्क परीक्षण और उपचार किया गया

भिलाई। कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं श्रम विभाग के रिसाली-मरौदा केन्द्र द्वारा अक्षय पात्र फाउंडेशन, सेक्टर-6, भिलाई में 'श्रमवीर स्वास्थ्य जांच शिविर' का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रभारी बीमा चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सूर्या वर्मा के मार्गदर्शन में मेडिकल टीम ने लगभग 100 बीमित श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें मुख्य रूप से रक्तचाप, मधुमेह और रक्त की जांच कर नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ श्रमिकों को बीमारी से बचाव के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें ईएसआईसी योजना के अंतर्गत मिलने वाले चिकित्सा हितलाभ की जानकारी दी।

वासुदेव चंद्राकर की जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें नमन किया

दुर्ग। किसान नेता, पूर्व विधायक और शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष वासुदेव चंद्राकर की जयंती पर दुर्ग स्थित प्रतिमा स्थल पर जिला कांग्रेस कमेटी ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कांग्रेसियों ने बताया कि वासुदेव चंद्राकर का संपूर्ण जीवन जनसेवा, संघर्ष और समर्पण का प्रतीक रहा। वे एक सशक्त जननेता और कर्मठ किसान हितैषी थे, जिन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव किसानों, मजदूरों एवं आमजन के अधिकारों के लिए आवाज़ बुलंद की। पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर ने कहा कि वासुदेव चंद्राकर ने अपना जीवन समाज और किसानों की सेवा के लिए समर्पित किया। उनका संघर्ष, सादगी और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष बाकलीवाल मौजूद थे।

विधायक रिकेश ने 5100 कन्याओं का पूजन कर लिया आशीर्वाद, लोकांगन परिसर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में भक्ति और सेवा का एक अनुपम उदाहरण देखने को मिला। क्षेत्रीय विधायक रिकेश सेन ने चैत्र नवरात्र की नवमी के शुभ अवसर पर लोकांगन परिसर वैशाली नगर में एक विशाल 'कन्या भोज एवं पूजन' कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस भव्य आयोजन में 5100 से अधिक कन्याओं का पूजन किया गया। विधायक सेन ने अपनी धर्मपत्नी के साथ मिलकर पूर्ण विधि-विधान से देवी स्वरूप कन्याओं के पैर पखारे, उन्हें तिलक लगाया और आरती उतार कर उनका आशीर्वाद लिया। विधायक रिकेश ने विधानसभा से 5 हजार 100 कन्याओं को आदरपूर्वक बैठाकर स्वरुचि भोज कराया गया।

दंपति ने परोसा भोजन

विधायक दंपति ने स्वयं कन्याओं को भोजन परोसा। पूजन के पश्चात सभी कन्याओं को फल, मिठाई, शिक्षण सामग्री और विशेष उपहार भेंट किए गए। नन्हीं कन्याओं के जयकारों से पूरा लोकांगन परिसर 'जय माता दी' के उद्घोष से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम स्थल को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया था, जहां मां जगदंबा की आराधना का दिव्य एवं भव्य माहौल निर्मित हुआ।

बेटियां साक्षात माँ दुर्गा का रूप

इस अवसर पर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि बेटियां साक्षात माँ दुर्गा का रूप होती हैं। चैत्र नवरात्रि की नवमी पर इन 5100 कन्याओं की सेवा और पूजन करने का सौभाग्य मिलना मेरे और वैशाली नगर परिवार के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। हमारा प्रयास है कि समाज में नारी शक्ति का सम्मान बढ़े और सनातन परंपराओं का संरक्षण हो। इस विशाल आयोजन में वैशाली नगर विधानसभा के हजारों गणमान्य नागरिक, भाजपा कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने इस अनुकरणीय पहल की सराहना की।

नोटिस के बाद भी नहीं हटा कब्जा, चला बुलडोजर

■ **मैत्री स्कूल प्रबंधन का था कब्जा, एसडीएम और तहसीलदार की मौजूदगी में हुई कार्रवाई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मैत्री स्कूल पाटन के पीछे बने दिवाल को ढहा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक यह दिवाल अतिक्रमण कर बनाया गया था। सूत्रों से जानकारी के मुताबिक तहसीलदार पाटन द्वारा के. सुधाकरण पिता आर केशवन , अध्यक्ष मैत्री एज्यूकेशनल एण्ड कल्चरल एसोसियन रिसाली सेक्टर भिलाई , श्रीमती राजम्मा पति स्व. के सुधाकरण को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटा कर जवाब प्रस्तुत देने कहा गया था। लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। जिसके बाद राजस्व विभाग ने पहल करते हुए नगर

पंचायत के सहयोग से अतिक्रमण हटाने पहुंचे। जानकारी के मुताबिक अतिक्रमण हटाने के दौरान एसडीएम पाटन और तहसीलदार भी मौके पर मौजूद थे।

जानकारी के अनुसार जो नोटिस दिया गया था उसमें मुताबिक न्यायालय कलेक्टर दुर्ग का कमांक / 5787/ आबंटन / 2025 आदेश दिनांक 14.07.2025 के अनुसार ग्राम पाटन प0ह0नं0 35 तहसील पाटन स्थित रिक्त शासकीय भूमि खसरा नंबर 626 का भाग 0.54 हे0 को व्यवहार न्यायालय के न्यायिक एवं कर्मचारियों के आवास गृह निर्माण प्रयोजनार्थ जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग छ.ग. को आबंटित किया गया है। एवं खसरा नंबर 203 रकबा 1.60 हे0, खसरा नंबर 222 का भाग 0.33 हे0, तथा खसरा नंबर 222 का भाग 0.42 हे0 कुल 2.35 हे0 भूमि को व्यवहार न्यायालय के भवन निर्माण हेतु आबंटित किया गया है।

राजस्व निरीक्षक के प्रतिवेदन दिनांक 06.03.2026 आबंटित भूमि खसरा नंबर 222/2 का भाग रकबा 0.10 हे0 तथा खसरा नंबर 203 का भाग रकबा लगभग 0.44 हे0 कुल रकबा 0.54 हे0 भूमि पर आपके द्वारा पक्की प्रीकास्ट वॉल से घेरा किया जाना प्रतिवेदित किया है। उक्त संबंध में अतिक्रमणकारी को पूर्व में भी अतिकमण हटाने हेतु नोटिस जारी पश्चात भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। अतएव आपके द्वारा किये गये अतिकमण को 03 दिवस के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करें। अन्यथा कि स्थिति में बल पूर्वक अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कि जाएगी।

महापौर ने कन्याओं को कराया स्नेह भोज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर निगम दुर्ग परिसर स्थित मां दुर्गा मंदिर में महाअष्टमी के अवसर पर हवन के बाद कन्या पूजन एवं कन्या भोज का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने जनप्रतिनिधि एवं निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर कन्याओं को स्नेहपूर्वक भोजन कराया।

मां दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में कन्या भोज एवं महाप्रसादी वितरण किया गया, जिसमें महापौर स्वयं शामिल होकर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण में सहभागी बनीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान निगम परिसर भक्ति-भाव से

सराबोर रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष पूजा-अर्चना से हुई, जिसके पश्चात महाअष्टमी उत्सव का आयोजन संपन्न हुआ। महापौर अलका बाघमार एवं देवनारायण चंद्रकार, लीना दिनेश देवांगन, नीलेश अग्रवाल, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, विद्यावती सिंह,रंजीता पाटिल, कुलेश्वर साहू, नीरा खिचरिया, ललिता ठाकुर, युवराज सहित निगम अधिकारी व कर्मचारियों ने विधि-विधान से हवन में आहुति देकर शहरवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

रूआबांधा में एससीईआरटी के निर्देशानुसार डाइट के तीन दिवसीय सत्र में जुटे शिक्षक

■ **राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर (एससीईआरटी) के निर्देशानुसार जिले के भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान व गणित समूह के व्याख्याताओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (23 से 25 मार्च तक) का आयोजन किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रूआबांधा भिलाई में इस प्रशिक्षण में राज्य व जिला स्रोत ग्रुप द्वारा आवश्यकता आधारित नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों को शैक्षिक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु बोर्ड द्वारा लागू नवीन ब्लू प्रिंट के अनुसार नवाचारी शिक्षण पद्धति के माध्यम से अधिगम कराने हेतु पहल की गई।

डाइट दुर्ग के प्राध्यापकों डॉक्टर नीलम दुबे द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डॉक्टर वंदना सिंह द्वारा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर ,अनुजा मुरेकर द्वारा ब्लूम टैक्सनॉमी पर स्टेट व जिला व ब्लॉक रिसोर्स पर्सन भौतिक शास्त्र श्रीमती सपना सोनी, रत्ना साहू , डॉक्टर पूनम बिचपुरिया ,राजकुमार साव, लक्ष्मी प्रसाद व अलका राय के द्वारा भौतिक शास्त्र , जीव विज्ञान,रसायन शास्त्र व गणित में ब्लूम टैक्सनॉमी के अनुसार बोर्ड द्वारा लागू नवीन ब्लू प्रिंट, प्रश्न पत्र निर्माण, शिक्षण शास्त्र, न्यूमेरिकल एनालिसिस, लर्निंग लॉस आदि पर प्रशिक्षण दिया गया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य प्रभात मरकले के निर्देशन व प्रशिक्षण संयोजक सत्येंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या

,मॉडल लेसन प्लान द्वारा शैक्षिक उद्देश्य की प्राप्ति,विषय वस्तु, ब्लूम टेक्सोनोमी, प्रश्न निर्माण, शिक्षण शास्त्र आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। जिला रिसोर्स ग्रुप द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विज्ञान व गणित विषय के शिक्षकों को विद्यार्थियों हेतु सरल, रुचिकर, आनंददायी शिक्षण शास्त्र व इसके माध्यम से कौशल विकसित करने व शैक्षिक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु जिले के व्याख्याताओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में जिले की व्याख्याता संगीता चंद्राकर, मयूरी शुक्ला,धीरजा,आरती सिंह,ममता गुप्ता एवं पूरी टीम ने सक्रियता पूर्वक प्रशिक्षण लिया। यह प्रशिक्षण डाइट के विषय विशेषज्ञों एवं वरिष्ठ अनुभवी मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा प्रभावी तरीके से दिया गया। विज्ञान समूह भौतिक, रसायन, गणित और जीव विज्ञान का प्रशिक्षण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रूआबांधा भिलाई में दिया गया। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी सत्येन्द्र शर्मा ने बताया कि दुर्ग से 884 व्याख्याताओं को प्रशिक्षित करने का निर्देश मिला था। पूर्व में यह प्रशिक्षण आयोजित कर दुर्ग जिले से कुल 518 व्याख्याता गणों को डीआरजी-बीआरजी एवं प्रशिक्षणार्थी के रूप में प्रशिक्षित किया जा चुका है।

वेदों के बिना भारतीय शिक्षा अधूरी : आचार्य डॉ. शर्मा

■ **रानीतराई महाविद्यालय में प्रो.महेशचन्द्र का रोचक व्याख्यान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ज्ञान - विज्ञान की प्रतिभा में रत भारत इसकी वर्षा भी पूरी दुनिया में करता है, इसलिये भारतवर्ष भी कहलाता है। हमारे ऋषि मुनियों ने स्वयं को और सारे विश्व को जगाया इसलिये भारतवर्ष जगदुरु के नाम से जाना गया। वेद, उपनिषद , रामायण, महाभारत, गीता और कालिदास के बिना भारत, भारत नहीं है। इन्हीं सब के कारण पूरे संसार में भारत की प्रतिष्ठा है। ये विचार हैं वरिष्ठ शिक्षाविद एवं पूर्व प्राचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा के।

आचार्य डॉ. शर्मा विगत दिनों स्व.दाऊ रामचन्द्र साहू शा.महाविद्यालय रानीतराई में 'भारतीय ज्ञान परम्परा एवं वैदिक संस्कृति' विषय पर शिक्षाविदों और विद्यार्थियों को विशेषज्ञ मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। देश-विदेश के अनेक सफल शैक्षणिक भ्रमण कर चुके आचार्य डॉ.शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भारतीय ज्ञान परम्परा के सन्दर्भ में बताया कि वैदिक साहित्य के सार के रूप में उपनिषद् कहता है - असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर और मृत्यु से अमरता की ओर ले जाने का काम करे वही सच्ची शिक्षा है। डॉ. शर्मा ने बताया कि शिक्षा नीति रोजगार को भी महत्त्वपूर्ण मानती है।

आचार्य शर्मा ने शिक्षा नीति से प्रेरित स्वरचित अपनी चार पुस्तकें - प्रेरणा प्रदीप, साहित्य और समाज, छत्तीसगढ़ में संस्कृत और गागर में सागर आदि भी प्राचार्य डॉ.मिश्र और ग्रन्थालय को नि: शुल्क भेंट कीं। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं गणितज्ञ डॉ.अरुण कुमार मिश्र ने व्याख्यान की भूमिका रखते हुवे विषय और विशेषज्ञ के बारे में भी बताया। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से आचार्य डॉ.शर्मा का शॉल-श्रीफल से अभिनंदन किया। चन्दन गोस्वामी एवं आईकेएस प्रभारी और सहसंयोजक अम्बिका ठाकुर बर्मन ने अपनी भूमिकाओं का सफल निर्वाह किया। कार्यक्रम का संचालन आराधना देवांगन और आभार अम्बिका बर्मन ने किया।

संयंत्र में एनर्जी आइसोलेशन प्रैक्टिसेज पर लार्ज ग्रुप इंट्रैक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा गुरूवार को मानव संसाधन केंद्र में एनर्जी आइसोलेशन प्रैक्टिसेज पर एक लार्ज ग्रुप इंट्रैक्शन का आयोजन किया गया। इस सत्र में संयंत्र के विभिन्न इकाइयों के लगभग 80 सुरक्षा अधिकारी, विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं इलेक्ट्रिकल प्रमुखों ने सक्रिय भागीदारी रही।कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सतपथी ने की।

इस मौके पर देबदत्त सतपथी ने विभिन्न विभागों से उपस्थित अधिकारियों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि अपर्याप्त एनर्जी आइसोलेशन औद्योगिक दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में से एक है। उन्होंने सभी विभागों में लॉकआउट-टैगआउट (लोटो) प्रक्रियाओं के कड़ाई से एवं निरंतर अनुपालन की आवश्यकता पर बल दिया। तकनीकी सत्र का संचालन महाप्रबंधक पी सतपथी द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने एनर्जी आइसोलेशन प्रक्रियाओं का विस्तृत एवं व्यावहारिक विवरण प्रस्तुत किया तथा प्रतिभागियों को चर्चा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

15 वें वित्त आयोग से नगर निगम दुर्ग को 10 करोड़ की सौगात

■ **सड़क, पेयजल व स्वच्छता कार्यों को मिलेगी रफ्तार : महापौर अलका बाघमार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम के डाटा सेंटर स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में आज महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा शहर में संचालित विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्रकार, एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन, शेखर चंद्रकार,नीलेश अग्रवाल, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा एवं भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

15वें वित्त आयोग अंतर्गत नॉन मिलियन प्लस सिटी के तहत शासन द्वारा

नगर निगम को कुल 10 करोड़ रुपये की राशि आबंटित की गई है। उक्त राशि से शहर के विभिन्न आधारभूत विकास कार्यों को गति प्रदान करने हेतु योजनाबद्ध तरीके से प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुल राशि में से 4.00 करोड़ रुपये सड़क निर्माण, नाली निर्माण, विद्युतीकरण सहित अन्य आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्यों के लिए प्रस्तावित किए जाएंगे। वहीं 3.00 करोड़ रुपये की राशि पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु टंकी निर्माण एवं पाइपलाइन विस्तार जैसे कार्यों के लिए प्रेषित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 3.00 करोड़ रुपये ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत स्वच्छता संबंधी कार्यों के लिए प्रस्तावित किए जाएंगे, जिससे साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके।

शुरू कराया जाए निर्माण कार्य

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि जहां निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुए हैं, उन्हें तत्काल शुरू किया जाए। साथ ही निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों को नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई करने एवं जरूरत पड़ने पर कार्य से पृथक करने के निर्देश दिए गए। शहर के उन क्षेत्रों में पाइपलाइन विस्तार पर विशेष जोर दिया गया, जहां अब तक यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नालियों को व्यवस्थित रूप से नालों से जोड़ने की ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसे लागू किया जाए, जिससे जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा गवली पारा से चंडी मंदिर तथा शीतला मंदिर से कंकालिन मंदिर तक विद्युत पोल स्थापना के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई।

लोक कर्म, स्वास्थ्य, जलकार्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

बैठक के दौरान लोक कर्म, स्वास्थ्य, जलकार्य एवं विद्युत विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। शहर के चार प्रमुख तालाबों के सौंदर्यीकरण, पाइपलाइन विस्तार, सड़क निर्माण, नाली एवं नालों के विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने अधिकारियों से पिछले एक वर्ष में हुए डामरीकरण एवं सीमेंटीकरण सड़कों सहित अन्य निर्माण कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में मोर जमीन मोर वार्ड योजना के अंतर्गत सभी 60 वार्डों में एसीपी बोर्ड एवं स्टेनलेस स्टील ग्लो साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

रायपुर संभाग के डाकघरों में अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवा उपलब्ध

रायपुर। डाक विभाग द्वारा आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रायपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी प्रमुख डाकघरों एवं उपडाकघरों में अंतरराष्ट्रीय पार्सल एवं अंतरराष्ट्रीय लेख बुकिंग सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा के माध्यम से अब संभाग के नागरिक अपने पार्सल, दस्तावेज एवं अन्य सामग्री को विश्व के विभिन्न देशों में सुरक्षित, सरल एवं व्यवस्थित प्रक्रिया के माध्यम से भेज सकते हैं। डाक विभाग की यह सेवा पूर्णतः सुरक्षित, पारदर्शी एवं विश्वसनीय है। ग्राहकों को पार्सल की सुरक्षित हैंडलिंग, उचित पैकेजिंग संबंधी मार्गदर्शन तथा ऑनलाइन ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान की जाती है। अन्य निजी कूरियर कंपनियों की तुलना में यह सेवा किफायती दरों पर उपलब्ध है तथा भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा संचालित होने के कारण अधिक भरोसेमंद है। सरल एवं सुविधाजनक प्रक्रिया ङ्क डाकघर में बुकिंग हेतु ग्राहक अपना पार्सल, प्राप्तकर्ता का पूर्ण एवं सही पता तथा वैध पहचान पत्र प्रस्तुत करें। वजन एवं निर्धारित दर के अनुसार शुल्क लेकर बुकिंग की जाती है तथा ट्रैकिंग रसीद प्रदान की जाती है, जिससे पार्सल की स्थिति ऑनलाइन देखी जा सकती है।

जनसहयोग से राहगीरों को मिल रहा शीतल जल

मनेन्द्रगढ़। भीषण गर्मी को देखते हुए जनसेवा की भावना से एक सराहनीय पहल करते हुए भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वावधान में प्याऊ का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी आर. पी. मीरे के मार्गदर्शन में तथा राज्य आयुक्त के निर्देशानुसार 26 मार्च से पूरे छत्तीसगढ़ में संचालित किए जा रहे अभियान का हिस्सा है। प्राप्त निर्देशों के अनुरूप मानेंद्रगढ़ जिला संघ द्वारा शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, मनेंद्रगढ़ में इस सेवा कार्य की शुरुआत की गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य अर्चना वैष्णव, व्याख्याता टी. विजय गोपाल राव, अन्य शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

नक्सलवाद खत्म होने की ओरः सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र को दी बधाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश और प्रदेश में नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में हो रही प्रगति पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि देश को नक्सलमुक्त बनाने का संकल्प अब पूरा होने की ओर बढ़ रहा है।

सांसद ने कहा कि छत्तीसगढ़ गठन के बाद विकास की शुरुआत जरूर हुई, लेकिन नक्सलवाद एक बड़ी बाधा बना रहा। अब इसके खत्म होने के बाद सुदूर आदिवासी क्षेत्रों तक विकास और मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचेंगी और प्रदेश तेजी से आगे बढ़ेगा।

मिडिल ईस्ट में जारी हालात को लेकर विपक्ष की राजनीति पर उन्होंने कहा कि ऐसे समय में देश को एकजुट रहने की जरूरत है। कोरोना काल की तरह मिलकर हर चुनौती का सामना किया जा सकता है। साथ ही आपदा के समय मुनाफाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की बात भी कही।

बस्तर में सुरक्षा बलों की तैनाती और केंद्र से राशि मांगने के मुद्दे पर कांग्रेस के सवालों पर अग्रवाल ने कहा कि पहले की सरकार में स्थिति कमजोर थी, जबकि अब ट्रिपल इंजन सरकार काम कर रही है। जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार पूरी मदद करेगी और प्रदेश को पर्याप्त फंड मिल रहा है।

विधानसभा में गलत जानकारी देने वाले अधिकारियों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मंत्री और विधायक यदि सतर्क रहें तो गलत जानकारी देने वालों पर प्रभावी कार्रवाई संभव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जनप्रतिनिधियों को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पुनर्वास केंद्र दंतेवाड़ा में युवाओं से की मुलाकात

पुनर्वासित युवाओं के प्रशिक्षण का किया अवलोकन वेलकम एवं इलेक्ट्रिकल टूल किट का किया वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गुरुवार को दंतेवाड़ा स्थित पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को इलेक्ट्रिकल टूल किट एवं वेलकम किट का वितरण किया। नवरात्रि के अंतिम दिन उपमुख्यमंत्री शर्मा ने दंतेवाड़ा पहुंचकर उन्होंने माँ दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

इसके पश्चात वे पुनर्वास केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने वहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से चर्चा की और उनकी आवश्यकताओं एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। युवाओं ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद वे अपने गृह ग्राम लौटकर खेती-किसानी करना चाहते हैं। इस पर श्री शर्मा ने आश्वस्त किया कि इच्छुक युवाओं को कृषि संबंधी प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुनर्वास नीति का उद्देश्य उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। उन्होंने युवाओं से अपने अन्य साथियों को भी पुनर्वास के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया, ताकि वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर उज्ज्वल भविष्य बना सकें। उन्होंने पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, भोजन व्यवस्था एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की। युवाओं द्वारा स्वयं भोजन बनाने की इच्छा जताने पर उन्होंने अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि इच्छुक युवा स्वेच्छा से भोजन बना सकते हैं।

श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी पुनर्वासित युवाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया जाए तथा केंद्र से बाहर जाने से पूर्व उनके ड्राइविंग लाइसेंस बनाना भी सुनिश्चित किए जाएं। उपमुख्यमंत्री उनसे अपील की कि यदि उनके परिजन या पहचान के लोग जेल में निरुद्ध हैं तो वे उनसे मिल सकते हैं या वे पुनर्वास केंद्र में आकर साथियों से मुलाकात कर सकते हैं और यदि वे जेल से पुनर्वास करना चाहें तो भी शासन उनकी हर संभव मदद कर जेल से पुर्नवास कराने को तैयार है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में केंद्र में कुल 107 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 60 बीजापुर एवं 47 दंतेवाड़ा जिले के हैं। यहां इलेक्ट्रिकल, वेल्डिंग, प्लंबिंग, सिलाई और ड्राइविंग जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। अब तक 7 युवाओं को ड्राइविंग के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है तथा 75 युवाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा बस्तर से कभी अति संवेदनशील क्षेत्र माने जाने वाले मारडूम घाटी मार्ग से होते हुए चित्रकूट, लोहंडीगुड़ा और बारसूर के रास्ते दंतेवाड़ा पहुंचे थे।

इसके माध्यम से उन्होंने लोगों को संदेश दिया कि कभी दुर्गम माने जाने वाले मार्ग भी अब सुगम हो गए हैं। अब लोग बिना किसी भय के रात हो या दिन निर्भय होकर इन पर सफर कर सकते हैं। उन्होंने दंतेवाड़ा स्थित सीआरपीएफ बटालियन कैंप पहुंच, जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारे सैन्य बलों के शौर्य का ही परिणाम है कि आज बस्तर संभाग में अब तक लोगों की नजरों से छुपे हुए नए नए पर्यटन केंद्रों में पहुंच कर लोग बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे हैं और स्थानीय लोगों को इससे रोजगार भी प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जशपुर-सन्ना मार्ग के मजबूतीकरण के लिए 8 करोड़ रुपए की मिली स्वीकृति

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जशपुर-सन्ना मार्ग के विभिन्न हिस्सों के मजबूतीकरण कार्य को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण से विशेष रूप से वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को व्यापक लाभ मिलेगा।

राज्य शासन द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल इस कार्य हेतु जशपुर-सन्ना मार्ग के किमी. 32/10, 33/2, 33/6-10, 34/2-4-6 एवं 41/10 से 52/10 तक कुल 12.498 किलोमीटर लंबाई के सड़क खंड के सुदृढ़ीकरण के लिए 8 करोड़ 4 लाख 40 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस सड़क के मजबूत होने से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को वर्षभर सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। बरसात के मौसम में जहां पहले आवागमन बाधित होता था, अब वहां निरंतर संपर्क बना रहेगा। इससे ग्रामीणों को दैनिक जीवन में आने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। सड़क की बेहतर स्थिति से किसानों को अपनी उपज को समय पर बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी। परिवहन लागत कम होगी और फसल खराब होने की संभावना भी घटेगी। इससे किसानों को बेहतर दाम मिलने के साथ उनकी आय में वृद्धि होगी। साथ ही स्थानीय व्यापार और छोटे व्यवसायों को भी गति मिलेगी।

इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण से विद्यार्थियों को स्कूल और कॉलेज पहुंचने में सुविधा होगी, जिससे शिक्षा में निरंतरता बनी रहेगी। वहीं, आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को अस्पताल तक समय पर पहुंचाना आसान होगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ तेजी से मिल सकेगा। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही सड़क बनने के बाद परिवहन और अन्य सेवाओं से जुड़े रोजगार भी बढ़ेंगे। यह परियोजना क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी। यह सड़क केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की एक मजबूत कड़ी साबित होगी।

इससे वनांचल क्षेत्रों का शहरी क्षेत्रों से बेहतर संपर्क स्थापित होगा, जिससे शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी तेजी से अंतिम छोर तक पहुंच सकेगा। इस प्रकार जशपुर-सन्ना मार्ग का सुदृढ़ीकरण कार्य क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

जशपुर में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मिल रही नई मजबूती

जिला चिकित्सालय में 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर ब्लॉक निर्माण अंतिम चरण में

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। जिला चिकित्सालय जशपुर में 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुनकुरी में नवीन ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन निर्माण कार्य तेजी से जारी है।

सीएमएचओ ने बताया कि जिला चिकित्सालय जशपुर में 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का निर्माण कार्य प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन मद से स्वीकृत किया गया है, जिसके लिए 16 करोड़ 63 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस कार्य हेतु 15 मार्च 2023 को मेसर्स साईं इंफ्रास्ट्रक्चर, रायपुर को कार्यादेश जारी किया गया था।

वर्तमान में यह निर्माण कार्य अंतिम चरण यानी फिनिशिंग स्तर पर प्रगतिरत है तथा इसकी संभावित पूर्णता जून 2026 निर्धारित की गई है। इस आधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक के निर्माण से जिले में गंभीर मरीजों के उपचार की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी और उन्हें बाहर रेफर करने की आवश्यकता में कमी आएगी।

इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुनकुरी में नवीन ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन का निर्माण भी पीएम-अभीम योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। इसके लिए 50 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है तथा 14 मार्च 2024 को मेसर्स गुरूदेव इंजिनियरिंग, जशपुर को कार्यादेश जारी किया गया है। वर्तमान में इस निर्माण कार्य के तहत प्लिंथ स्तर तक का कार्य पूर्ण किया जा चुका है और आगे का कार्य प्रगति पर है।

सीएमएचओ ने बताया कि इन दोनों निर्माण कार्यों के पूर्ण होने के बाद जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। विशेष रूप से क्रिटिकल केयर ब्लॉक के संचालन से गंभीर मरीजों को आधुनिक उपचार सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी, वहीं कुनकुरी में पब्लिक हेल्थ यूनिट के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

जिला प्रशासन द्वारा इन निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर आमजन को इसका लाभ प्रदान किया जा सके।

आगामी खरीफ सीजन के लिए रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चितः मंत्री रामविचार नेताम

किसानों से अपील : भूमि धारिता एवं पात्रता अनुसार ही उर्वरक का करें भंडारण, ताकि सभी किसान हो सकें लाभान्वित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि राज्य सरकार ने आगामी खरीफ सीजन के लिए रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस तरह की जानकारी संज्ञान में आ रही है कि फास्फेटिक उर्वरक के प्रमुख स्रोत डी.ए.पी. का अनियमित उठाव कृषक भाइयों द्वारा किया जा रहा है, जिससे अन्य कृषकों में प्रतिकूल वातावरण निर्मित होने की संभावना है।

केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा समन्वय से किये जा रहे प्रयासों से राज्य के कृषकों का हित संरक्षण सुनिश्चित किया गया है। कृषक भाइयों से अनुरोध है कि भूमि धारिता एवं पात्रता अनुसार ही उर्वरकों का भंडारण करें ताकि समस्त कृषक अग्रिम भंडारण की योजना से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने बताया कि वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने के लिए सरकार ने किसानों को शत-प्रतिशत पहचान पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि उर्वरकों की कालाबाजारी रुक सके और जरूरतमंदों तक मदद पहुंचे।

मंत्री नेताम ने यह भी कहा कि खरीफ मौसम में उर्वरकों का वितरण एग्रीस्टेक पोर्टल में दर्ज रकबे के आधार पर होगा। यदि इसमें किसी प्रकार की त्रुटि पायी जाती है तो अन्य कृषकों को पर्याप्त उपलब्धता के दृष्टिगत समस्त वैधानिक कार्यवाईयां सुनिश्चित करने के लिए शासन सजग है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवश्यक होने पर वैकल्पिक पौध पोषण स्रोतों की व्यवस्था के लिए आकस्मिक कार्य योजना भी तैयार कर ली गई है, ताकि पौध पोषण में किसी प्रकार की कमी ना हो। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के लिए चिन्हित नील हरित काई के मदर कल्चर के उत्पादन की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है तथा माह अप्रैल से इसका वृहद उत्पादन कृषि विज्ञान केंद्रों, शासकीय उद्यान रोपणियों एवं शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों में किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि खरीफ मौसम में ज्यादा से ज्यादा कृषकों को इसका कल्चर उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि कृषक इनका उपयोग कर वायुमंडलीय नाइट्रोजन स्थिर कर यूरिया के समरूप पोषक तत्व पौधों को उपलब्ध करा सकें। इसके अलावा, हरी खाद के रूप में वर्गीकृत ढेंचा तथा अन्य दलहनी फसलों के कृषक प्रक्षेत्र में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने आवश्यक राशि की व्यवस्था मंडी निधि से की जा रही है। इस हेतु समस्त जिलों को कृषक एवं क्षेत्र चयन के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों के अवैध भंडारण, अधिक मूल्य पर विक्रय तथा समस्त अन्य गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु उड़न दस्ता तथा निरीक्षकों की नियुक्ति संबंधी आदेश भी जारी किए जा चुके हैं। नैनो उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता भी प्रदेश में होगी ताकि न्यूनतम कास्त लागत पर प्रति इकाई अधिकतम उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके। नैनो उर्वरक के प्रभावी उपयोग के संबंध में कृषकों को जागरूक करने एवं प्रशिक्षण हेतु सघन अभियान चलाया जाएगा।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़, भारत के कृषि परिदृश्य में एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है, जहाँ धान खरीदी और किसान कल्याण की योजनाओं ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विगत तीन वर्षों के धान खरीदी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य ने न केवल धान खरीदी के अपने पिछले रिकॉर्ड तोड़े हैं, बल्कि किसानों को उनकी उपज का देश में सबसे अधिक मूल्य सुनिश्चित कर एक मिसाल पेश की है। खरीफ सीजन 2025-26 में 142 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी को मिलाते हुए पिछले तीन खरीफ सीजन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान खरीद कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिससे किसानों के खाते में लगभग 1 लाख 40 हजार करोड़ से अधिक का भुगतान हुआ है। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण उपजे संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों को लेकर किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए केन्द्र और राज्य सरकार अलर्ट मोड पर काम कर रही है।

सुकमा में साक्षरता मिशन को मिली नई गति, सार्थक दूतों का दो दिवसीय प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। जिले में ग्रामीण विकास और जनजागरूकता को नई दिशा देने हेतु जिला प्रशासन द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए जिला मुख्यालय सुकमा में सार्थक दूतों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला कलेक्टर अमित कुमार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मुकुन्द ठाकुर के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 25 सार्थक दूतों ने भाग लेकर साक्षरता और सामुदायिक सशक्तिकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम का संचालन जिला शिक्षा विभाग एवं पीपीआईए फेलो अर्कजा कुठियाला द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना नीति आयोग द्वारा वित्तपोषित है।

प्रशिक्षण को प्रभावी और व्यावहारिक बनाने के लिए ञ्जष्टस् के सहयोगी किशन (अहमदाबाद) एवं तरुण (उज्जैन) विशेष रूप से सुकमा पहुंचे। उन्होंने दो दिनों तक प्रतिभागियों को गहन प्रशिक्षण देते हुए साक्षरता कार्यक्रम की रणनीतियों, क्रियान्वयन और मूल्यांकन की तकनीकी जानकारी प्रदान की। दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं अभ्यास किया गया। इसमें साक्षरता के महत्व, टीसीएस साक्षरता कार्यक्रम का परिचय, कार्यक्रम सामग्री का उन्मुखीकरण, क्रियान्वयन की रणनीति, सुकमा बेसलाइन सर्वे के निष्कर्ष, तथा मॉनिटरिंग, मूल्यांकन एवं प्रभाव जैसे बिंदुओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया। यह पहल केवल पढ़ना-लिखना सिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य साक्षरता से आगे बढ़कर आजीविका और आत्मनिर्भरता के लिए समुदायों को सक्षम बनाना है।

एसएचजी से जुड़कर महिलाओं को मिलेगा सशक्त मंच

कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) के साथ समन्वय स्थापित कर उन्हें अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने की योजना है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय समझ, डिजिटल उपयोग और अधिकारों की जानकारी देकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यात्मक, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता से बनेगा मजबूत समाज

टीसीएस टीम द्वारा विकसित प्रशिक्षण सामग्री में कार्यात्मक साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता एवं अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को केवल साक्षर नहीं, बल्कि सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना है।

जनगणना के लिए फिल्ड ट्रेनर का प्रशिक्षण संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। जनगणना की प्रक्रिया छत्तीसगढ़ में भी प्रारंभ हो चुकी है प्रत्येक जिले से 2 मास्टर ट्रेनर रायपुर जिले में उपस्थित होकर प्रशासनिक अकादमी में 9 मार्च से 12 मार्च तक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात विभिन्न जिलों में फील्ड ट्रेनर का प्रशिक्षण प्रारंभ हो चुका है इसी तारतम्य में जशपुर जिले में भी फील्ड ट्रेनर का प्रशिक्षण दिनांक 23 मार्च से 25 मार्च तक जशपुर के कलेक्टरेट के मंत्रणा कक्ष मे ज़िला जनगणना अधिकारी प्रशांत कुशवाहा डिप्टी कलेक्टर की उपस्थिति मे प्रारम्भ किया गया। राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त कर आए मास्टर ट्रेनर डा. एम जेड यू सिद्दीकी प्राचार्य डाइट जशपुर एवं डी आर राठिया सहायक अध्यापक एन ई एस महाविद्यालय के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया इस प्रशिक्षण को प्राप्त करने के लिए जशपुर ज़िले की विभिन्न तहसीलों से तीन-तीन मास्टर ट्रेनर आकर प्रशिक्षण प्राप्त किया इस प्रशिक्षण में जनगणना का प्रारंभिक परिचय बताया गया,प्रारंभिक परिचय के पश्चात इसका फ्रेमवर्क किस प्रकार का होगा के बारे में फील्ड ट्रेनर को बताया गया पर्यवेक्षक की कार्य पद्धति एवं उनकी जिम्मेदारियां के बारे में बताने के पश्चात नजरी नक्शा किस प्रकार से बनाया जाएगा भवन नंबर एवं जनगणना मकान में किस प्रकार से नंबरिंग की जाएगी परिवार एवं संस्थागत परिवार बेघर परिवार की जनगणना के हिसाब से क्या परिभाषा है उन परिभाषाओं के बारे में बताया गया तत्पश्चात प्रगणक फील्ड में पहुंचकर किस प्रकार प्रश्न पूछेंगे एवं जानकारी को भरेंगे इसका प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आजादी के पश्चात इस आठवीं जनगणना में जो की 16 वर्षों के पश्चात हो रही है इस मामले में विशिष्ट है कि यह जनगणना पूरी तरीके से डिजिटल होगी। साथ ही मोबाइल ऐप मे स्व जनगणना भी नागरिक कर सकेंगे मोबाइल ऐप के माध्यम से यह इस जनगणना की प्रमुख विशेषता होगी एवं पूरी जानकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से जिसे एच एल ओ एप के नाम से जाना जाता है किया जावेगा। प्रशिक्षण के अंतिम दिन मोबाइल के द्वारा डिजिटल जनगणना किस प्रकार से की जाएगी इसका मैदानी प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

द साबरमती रिपोर्ट के बाद अब द टेरर रिपोर्ट लेकर आ रहीं एकता कपूर

शेरशाह फेम डायरेक्टर करेंगे फिल्म निर्देशित

साल 2002 के गोधरा कांड पर आधारित फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की सफलता के बाद निर्माता एकता कपूर नई फिल्म लेकर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट ने एक बड़ी राजनीतिक थ्रिलर फिल्म द टेरर रिपोर्ट बनाने के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म का निर्देशन शेरशाह फेम विष्णु वर्धन करेंगे।

फिल्म द टेरर रिपोर्ट वास्तविक घटनाओं पर आधारित होगी और भारत पर हुए आतंकी हमलों के साथ ही देश की ओर से दिए गए कड़े जवाबी हमलों को भी बड़े दिखाएगी। द साबरमती रिपोर्ट की अगली कड़ी के रूप में यह फिल्म सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लंबी लड़ाई को विस्तार से पेश करेगी।

मेकर्स के अनुसार, फिल्म में जांच की पेचीदगियां, खुफिया अभियान और हालिया सुरक्षा संबंधी घटनाओं को गहराई से दिखाया जाएगा।

इस अनोखे सहयोग में बालाजी और एलिप्सिस की रचनात्मक ताकत और विष्णु वर्धन की शानदार निर्देशन शैली एक साथ नजर आएगी।

निर्माताओं में एकता कपूर, शोभा कपूर, तनुज गर्ग और अतुल कसबेकर शामिल हैं। फिल्ममेकर्स का मानना है कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ एंटरटेन करेगा, बल्कि देश की सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में दर्शकों को जागरूक भी करेगा।

बता दें, विष्णु वर्धन ने पहले शेरशाह जैसी फिल्म से राष्ट्रीय स्तर पर सराहना बटोरी है। अब द टेरर रिपोर्ट के जरिए वे एक बार फिर वास्तविक घटनाओं पर आधारित शक्तिशाली कहानी पेश करने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग और रिलीज डेट की जानकारी जल्द ही जारी किए जाने की उम्मीद है।

वहीं, विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा स्टारर द साबरमती रिपोर्ट साल 2024 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म विवादास्पद रही और रिलीज के बाद कई राज्यों में टैक्स-फ्री घोषित की गई।

जी2 से इमरान हाशमी का पहला लुक जारी, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

इमरान हाशमी बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ की फिल्मों में भी खूब धमाका कर रहे हैं। पिछले साल उन्हें पवन कल्याण की फिल्म दे कॉल हिम ओजी में देखा गया था जो सफल साबित हुई। अब वह अपनी आगामी फिल्म जी2 को लेकर चर्चा में हैं जिसमें से उनका पहला लुक जारी किया गया है। इसी के साथ फिल्म की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठाया गया है। बता दें, जी2 2018 में आई गुडाचारी का सीक्वल है। जी2 के मुख्य अभिनेता अदिवि शेष ने फिल्म से इमरान का पहला लुक साझा किया है। उन्होंने अभिनेता को उनके जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, इमरान सर को जन्मदिन की शुभकामनाएं! आपके साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और डकैत की रिलीज के बाद जी2 की शूटिंग में साथ काम करने का बेसब्री से इंतजार है। पोस्टर में अभिनेता फुल एक्शन मोड में दिखे हैं, जिसने फैंस को काफी उत्साहित कर दिया है।

जी2 एक पैन-इंडिया फिल्म है जिसे 1 मई, 2026 को तेलुगु के अलावा, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

दिलचस्प बात यह है कि अदिवि अभिनीत फिल्म में, इमरान को नकारात्मक किरदार में देखा जाएगा। अभिनेत्री वामिका गब्बी भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म का निर्देशन विनय कुमार सिरिगिनेडी ने किया है और यह उनकी पहली निर्देशित फिल्म भी है। निर्माण पीपुल मीडिया फैक्ट्री, एके एंटरटेनमेंट्स और अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स के बैनर तले किया गया है।

मां ने दिया आंचल, पंजाब की मिट्टी ने दी आवाज और कनाडा ने दिया हौसले को ईंधन

पढ़ें जैस्मिन सैंडलस की कहानी

अपनी दमदार आवाज और रूहानी सुरों से जैस्मिन सैंडलस मे अपना एक अलग मुकाम बनाया है। पंजाब से शुरू हुई जैस्मिन की कहानी आज उनके गानों के जरिए फैंस की जुबान पर हैं। एक वक्त था जब सिंगर बुरी तरह टूटीं मगर जब वो दोबारा उठीं तो सिंगिग की दुनिया की 'धुरंधर' बन गईं। पढ़िए कहानी जैस्मिन सैंडलस की...

'धुरंधर' और 'धुरंधर: द रिवेंज' के बाद सिंगर जैस्मिन सैंडलस को फैंस का काफी प्यार मिल रहा है। मगर पंजाब की गलियों से लेकर आज स्टेज पर आग लगाने तक का सफर जैस्मिन के लिए आसान नहीं था। अपनी कड़ी मेहनत और मां के सपोर्ट के दम पर आज जैस्मिन की आवाज जगह-जगह गूंज रही है। पंजाब में जन्मी जैस्मिन को बचपन से ही गाने का बड़ा शौक था। उनकी मां उन्हें लेकर सिंगिग के लिए स्कूल के प्रोग्राम में लेकर जाती। छोटी जैस्मिन को पारंपरिक पंजाबी गाने बहुत अच्छे लगते थे। 13 साल की होते ही जैस्मिन पैरेंट्स के साथ कनाडा आ गईं। 2008 में उनका पहला गाना 'मुस्कान' रिलीज हुआ। इस गाने से जैस्मिन की आवाज को पहली बार फैंस ने सुना, जिसके बाद जैस्मिन को पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री में पहचान मिली। दूसरा एल्बम 'गुलाबी' 2012 में रिलीज हुआ जिसके बाद रातों-रात सिंगर की शोहरत बढ़ती गई। मगर बॉलीवुड के दरवाजे खुलने के लिए सिंगर को अभी भी इंतजार करना पड़ा।

कब और किस गाने से हुई मशहूर ?

जैस्मिन सैंडलस का पहला बॉलीवुड ब्रेक उन्हें 2014 में 'यार न मिले' गाने से मिला था। सलमान खान की फिल्म 'किक' के इस गाने को फैंस ने काफी पसंद किया था। इस गाने में उनके साथ यो-यो हनी सिंह ने भी परफॉर्म किया था। फिल्म हिट हुई और ये गाना भी रातों-रात हिट हो गया।

गैरी संधू के साथ रिलेशनशिप

जनवरी 2017 में जैस्मिन ने गैरी संधू के साथ पहली बार गाना गाया जिसका नाम था 'लड्डू'। यहां से जैस्मिन का दिल गैरी के लिए धड़कना शुरू हुआ। जिसके बाद दोनों 'इल्लीगल वेपन' के लिए एक आए। इसी दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और कपल ने 'इल्लीगल वेपन 2.0' के लिए दोबारा कोलैबोरेट किया। दोनों की नजदीकियों के कई किस्से फैलते रहे पर इन्होंने इस बारे में कभी कोई ऑफिशियल बयान नही दिया। अचानक एक दिन सुनने में आया कि दोनों अलग हो गए हैं। वजह क्या थी? किसी को मालूम नहीं हुई।

ब्रेकअप और डिप्रेशन से जंग

गैरी संधू से ब्रेकअप के बाद जैस्मिन टूट गईं। इसका बुरा असर उनकी सेहत पर पड़ा। तनाव की वजह से वो बाइपोलर डिसऑर्डर तक का शिकार हो गई। इसके बाद वो अकेली रहने लगीं। एक इंटरव्यू में जैस्मिन ने यह भी कहा था कि अगर उनकी मां उन्हें न संभालतीं तो वो कभी इस दर्द से उबर नहीं पातीं।

अब धुरंधर से किया धांसू कमबैक

आदित्य घर की 'धुरंधर' से एक तरह से जैस्मिन को दोबारा बड़े लेवल का चांस मिला। पहले पार्ट में 'धुरंधर' के टाइटल गाने से जैस्मिन की शुरूआत हुई। इसी फिल्म में उन्होंने 'शरारत' भी गया जो भारत समेत सीमा पार कर पाकिस्तान में खूब लोकप्रिय हुआ। 'धुरंधर द रिवेंज' में शाश्वत सचदेव के म्यूजिक कंपोजीशन में ज्यादातर गानें जैस्मिन सैंडलस के ही नाम रहे। साथ ही मशहूर पंजाबी सिंगर सतिंदर सरताज के साथ काम करने का जैस्मिन का सपना भी 'धुरंधर द रिवेंज' से पूरा हो गया। आज सिंगर एक बार फिर चर्चा में हैं और अपनी सफलता का जश्न मना रही हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन को मिली नई रिलीज तारीख

28 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

सिद्धार्थ मल्होत्रा काफी समय से अपनी आगामी फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट को लेकर चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले आधिकारिक पोस्ट में बताया गया था कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। पहली बार होगा जब सिद्धार्थ के साथ फिल्म में तमन्ना भाटिया नजर आएंगी। अब निर्माताओं की ओर से वन की नई रिलीज तारीख का खुलासा कर दिया है। दरअसल पहले इसे 15 मई को रिलीज किया जाना था।

निर्माताओं ने वन का पोस्टर जारी किया है और बताया है कि फिल्म अब 28 अगस्त, यानी रक्षाबंधन के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दीपक मिश्रा और अरुणभ कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म की निर्माता एकता कपूर हैं। फिल्म का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर के सहयोग से हुआ है। इसकी शूटिंग मध्य भारत के घने जंगलों में की गई है, जबकि कहानी गुप्त मंदिरों और प्राचीन लोककथाओं पर आधारित बताई जाती है।

इस फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फ्रेश जोड़ी है। दोनों को पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर देखना फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होगा। सिद्धार्थ, जिन्हें हाल ही में एक्शन अवतार में देखा गया था, इस बार एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे जो तर्क और अलौकिक शक्तियों के बीच फंसा हुआ है। वहीं, तमन्ना भाटिया का किरदार भी काफी रहस्यमयी और शक्तिशाली बताया जा रहा है।

रक्षाबंधन की छुट्टी पर फिल्म को रिलीज करने का फैसला काफी सोच-समझकर लिया गया है। त्योहारों के सीजन में अक्सर बड़ी फिल्मों को अच्छी शुरुआत मिलती है और वीवन जैसी थ्रिलर फिल्म को फैमिली ऑडियंस के साथ-साथ युवाओं का भी भरपूर साथ मिलने की उम्मीद है।

सिद्धार्थ और तमन्ना के अलावा इस फिल्म में सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी और मनीष पॉल जैसे मंझे हुए कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुल मिलाकर, वीवन न केवल एक रोमांचक फिल्म होने का वादा करती है, बल्कि भारतीय जड़ों से जुड़ी कहानियों को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी है।

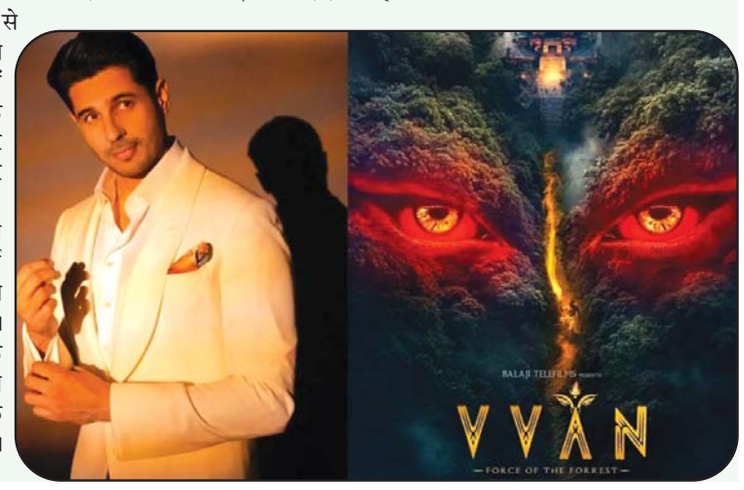

कौन थीं एक्ट्रेस हर्षिल कालिया? कार एक्सीडेंट में हुई मौत; इस वेब सीरीज में कर चुकी थीं काम

जयपुर की उभरती हुई एक्ट्रेस हर्षिल कालिया की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई। 30 साल की एक्ट्रेस-मॉडल हर्षिल कालिया की अचानक मौत ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को गहरे सदमे में डाल दिया है। उभरती हुई इस कलाकार की 23 मार्च की देर रात जयपुर में एक कार हादसे में मौत हो गई, जिससे उनका करियर बीच में ही खत्म हो गया। आइए जानते हैं कौन थीं हर्षिल कालिया।

जयपुर में रहने वाली हर्षिल कालिया ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। धीरे-धीरे उन्होंने सोशल मीडिया, खासकर फेसबुक पर अपनी पहचान बनाई। वहां उनके 5 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स थे, जिसकी वजह से उनकी पॉपुलैरिटी बढ़ी और उन्हें एक्टिंग में आने का मौका मिला।

उन्होंने वेब सीरीज 'क्राइम नेक्स्ट डोर' में काम किया था, जिसमें अनुप्रिया गोयनका, यशपाल शर्मा, साहिल वैद और वत्सल सैठ जैसे कलाकार भी नजर आए थे। इसके अलावा हर्षिल कई राजस्थानी म्यूजिक वीडियो में भी दिखाई दीं और उन्होंने न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया था। अपनी सादगी और स्क्रीन प्रेजेंस की वजह से वह खासकर युवाओं के बीच तेजी से पॉपुलर हो रही थीं।

क्या हुआ था हर्षिल कालिया के साथ?

बताया जा रहा है कि हर्षिल रात करीब 11:30 बजे काम से घर लौट रही थीं। इसी दौरान शिप्रा पाथ रोड पर उनकी कार का कंट्रोल बिगड़ गया। कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिससे उन्हें सिर में गंभीर चोट आई। आसपास के लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार पलटती हुई दिखाई दे रही है। फिलहाल पुलिस आगे की जांच में जुट गई है।

रोजाना करें तरबूज का सेवन, इससे मिल सकते हैं स्वास्थ्य से जुड़े कई लाभ

गर्मियों का मौसम तरबूज के बिना अधूरा सा लगता है। इसका कारण है कि तरबूज न केवल स्वाद में अच्छा होता है, बल्कि इसमें कई ऐसे गुण भी होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं। यह शरीर को पानी से भरपूर रखने के साथ-साथ कई पोषक तत्व भी प्रदान करता है। इस लेख में हम आपको रोजाना एक बार तरबूज खाने के अहम फायदे बताएंगे, जो आपको इसे अपनी खानपान में शामिल करने पर मजबूर कर देंगे।

शरीर में पानी की कमी को पूरा करे

तरबूज में लगभग 92 प्रतिशत पानी होता है, जो इसे प्राकृतिक रूप से शरीर को पानी से भरपूर रखने वाला फल बनाता है। गर्मियों में जब शरीर को अधिक पानी की आवश्यकता होती है, तब तरबूज एक बेहतरीन विकल्प साबित होता है। यह न केवल प्यास बुझाता है बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है। इसके सेवन से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

वजन घटाने में सहायक

अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो तरबूज आपके लिए एक आदर्श फल हो सकता है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है और यह रेशों से भरपूर होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आपको बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती। इसके अलावा इसमें प्राकृतिक मिठास होती है, जो मीठे की इच्छा को भी कम कर देती है। इस प्रकार तरबूज वजन घटाने में मददगार साबित हो सकता है।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

तरबूज दिल के लिए बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें एक खास प्रकार का अमीनो एसिड पाया जाता है, जो रक्त संचार को बेहतर बनाता है और नाड़ियों पर दबाव डालने वाले हार्मोन्स को कम करता है। इसके अलावा तरबूज में मौजूद ऐसे तत्व होते हैं जो दिल की बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करते हैं। नियमित रूप से तरबूज का सेवन करने से रक्तचाप नियंत्रित रहता है और दिल स्वस्थ रहता है।

त्वचा के लिए लाभकारी

तरबूज में विटामिन-सी और विटामिन-ए प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये विटामिन्स त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और उसे ताजगी भरा बनाते हैं। इसके अलावा तरबूज में मौजूद एक खास तत्व सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव करता है और त्वचा को उम्रदराज होने से रोकता है। नियमित रूप से तरबूज खाने से त्वचा की चमक बढ़ती है और वह स्वस्थ नजर आती है।

पाचन क्रिया के लिए अच्छा

तरबूज में रेशे होते हैं, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करते हैं। यह कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है और आंत को स्वस्थ रखता है। रेशों के अलावा तरबूज में मौजूद पानी की मात्रा भी पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में सहायक होती है। नियमित रूप से तरबूज खाने से पाचन तंत्र की कार्यक्षमता बढ़ती है और आंत का संतुलन बना रहता है।

खास खबर

बकायेदार उपभोक्ताओं को बिजली बिल में मिलेगी राहत

बालोद । छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत संभाग छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बालोद के अधीनस्थ वितरण केन्द्रों में 'मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2028' के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यपालन अभियंता संभाग छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बालोद ने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य बकायेदार उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में राहत प्रदान करना और उन्हें योजना का लाभ दिलाना है। इस योजना के संबंध में उपभोक्ताओं को जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ मोर बिजली एप के द्वारा स्वयं अथवा निकटतम वितरण केन्द्र कार्यालय में जाकर पंजीयन करवाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इस योजना के संबंध में कार्यपालन अभियंता एस. के. बंड के द्वारा सहायक अभियंताओं एवं मीटर रीडरों के साथ कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की गई। बैठक में योजना का लाभ अंतिम छोर के उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई और अधिक से अधिक लोगों को इस छूट का लाभ दिलाने के लिए रणनीति तैयार की गई।

जलाराम मंदिर में मनाया जाएगा राम जन्मोत्सव

कोरबा । कोरबा अंचल के गुजराती समाज एवं जलाराम सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में इस वर्ष रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। आगामी 27 मार्च, शुक्रवार को संत जलाराम मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान की तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई हैं। समिति द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 मार्च की सुबह 10 बजे से मंदिर परिसर में प्रभु श्रीराम की भक्ति में डूबी 'श्रीराम धुन' और भजनों का सिलसिला शुरू होगा। इसके पश्चात दोपहर ठीक 12 बजे, भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। जन्मोत्सव की मुख्य महाआरती के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

हाट बाजारों में ट्रेलिस खेती का असर

सुकमा। जिले के ग्रामीण अंचलों में ट्रेलिस (मचान) खेती किसानों के लिए आय का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। इस नवाचार के जरिए अब किसान स्थानीय हाट-बाजारों में ताजी सब्जियां बेचकर नियमित आमदनी अर्जित कर रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है।मुलागुड़ा गांव के किसान सुखराम बघेल इस पहल की सफलता की एक मिसाल बनकर सामने आए हैं। उन्होंने ट्रेलिस पद्धति अपनाकर सब्जियों का उत्पादन किया और अब तक लगभग 20 हजार रुपये की बिक्री कर चुके हैं। वे साप्ताहिक हाट बाजारों में अपनी उपज बेचते हैं, जिससे उन्हें लगातार आय प्राप्त हो रही है।यह पहल जिला प्रशासन और आरोह फाउंडेशन के द्वारा एचडीएफसी बैंक के 'परिवर्तन कार्यक्रम' के तहत संचालित की जा रही है।

भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित, सरकार ने जान-बूझकर चलाए जा रहे दुष्प्रचार अभियान की निंदा की

नई दिल्ली (पीआईबी)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। सभी खुदरा ईंधन दुकानों में पर्याप्त आपूर्ति है। देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कमी नहीं है। मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे जानबूझकर फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं के सुनियोजित अभियान से गुमराह न हों, इसका उद्देश्य अनावश्यक दहशत फैलाना है।

सामरिक भंडारः संपूर्ण और सटीक जानकारी

कुछ लेखों और सोशल मीडिया वीडियो के माध्यम से गलत सूचना फैलाई जा रही है, जिसमें यह बताया जा रहा है कि देश में केवल 6 दिनों का ही भंडार है। भारत की कुल भंडार क्षमता 74 दिनों की है और पश्चिम एशिया संकट के 27वें दिन भी वास्तविक भंडार लगभग 60 दिनों का है (जिसमें कच्चे तेल का भंडार, उत्पाद भंडार और भूमिगत गुफाओं में समर्पित रणनीतिक भंडारण शामिल है)। वैश्विक स्तर पर चाहे जो भी हो, प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए लगभग दो महीने की स्थिर आपूर्ति उपलब्ध है।

अगले दो महीनों के कच्चे तेल की खरीद भी सुनिश्चित कर ली गई है। भारत अगले कई महीनों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है और ऐसी आपूर्ति स्थिति में रणनीतिक भूमिगत गुफाओं में भंडार की मात्रा गौण हो जाती है। इसलिए, भारत के भंडार के समाप्त या अपर्याप्त होने के किसी भी दावे को पूरी तरह से खारिज किया जाता है। राज्य सरकारों के पूर्ण समन्वय से पाइपलाइन द्वारा प्राकृतिक गैस (पीएनजी) को बढ़ावा दिया जा रहा है, क्योंकि यह भारतीय घरों के लिए सस्ती, स्वच्छ और सुरक्षित है। भारत पहले से ही 191 प्रतिदिन मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर की दैनिक आवश्यकता में से 92 प्रतिदिन मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन करता है, जिससे भारत एलपीजी की तुलना में पीएनजी पर आयात के मामले में काफी कम निर्भर है। शहरी गैस वितरण क्षेत्र वर्ष 2014 में 57 भौगोलिक क्षेत्रों से बढ़कर आज 300 से अधिक हो गया है। घरेलू पीएनजी कनेक्शन 25 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ से अधिक हो गए हैं। पीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने की यह प्रक्रिया वर्तमान स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही अच्छी तरह से चल रही थी और यह भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति को दर्शाती है। यह दावा कि एलपीजी के खत्म होने के कारण पीएनजी को बढ़ावा दिया जा रहा है, गलत जानकारी है। एलपीजी की आपूर्ति सुरक्षित है। पीएनजी भारत के घरों के लिए एक बेहतर, अधिक किफायती और अत्यधिक सुविधाजनक ईंधन है। यह गलत सूचना शरारती तत्वों द्वारा फैलाई जा रही है और कुछ स्वार्थी तत्व इसे और भी बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे आम जनता में अनावश्यक चिंता पैदा हो रही है।

एलपीजीः उत्पादन में वृद्धि, आयात की आवश्यकता में कमी, कार्गो सुरक्षित

एलपीजी की कोई कमी नहीं है। मंत्रालय द्वारा जारी एलपीजी नियंत्रण आदेश के बाद घरेलू रिफाइनरी उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे दैनिक एलपीजी उत्पादन 50 टीएमटी (हमारी आवश्यकता का 60 प्रतिशत से अधिक) तक पहुंच गया है, जबकि कुल दैनिक आवश्यकता लगभग 80 टीएमटी है। परिणामस्वरूप, शुद्ध दैनिक आयात आवश्यकता घटकर केवल 30 टीएमटी रह गई है - यानी भारत अब आयात की आवश्यकता से कहीं अधिक उत्पादन कर रहा है। घरेलू उत्पादन के अतिरिक्त, अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों से 800 टीएमटी एलपीजी कार्गो पहले से ही सुरक्षित हैं और भारत के 22 एलपीजी आयात टर्मिनलों पर पहुंच रहे हैं - जो 2014 में मौजूद 11 टर्मिनलों की तुलना में दोगुने हैं। लगभग एक महीने की आपूर्ति की पूरी व्यवस्था हो चुकी है और अतिरिक्त खरीद को लगातार अंतिम रूप दिया जा रहा है। तेल कंपनियां प्रतिदिन 50 लाख से अधिक सिलेंडर सफलतापूर्वक वितरित कर रही हैं। उपभोक्ताओं द्वारा घबराहट में ऑर्डर देने के कारण सिलेंडर की मांग 89 लाख सिलेंडर तक पहुंच गई थी और अब घटकर फिर से 50 लाख सिलेंडर रह गई है। जमाखोरी या कालाबाजारी से बचने के लिए राज्य सरकारों से परामर्श करके वाणिज्यिक सिलेंडरों का आवंटन बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है।

पेट्रोल और डीजलः कोई कमी नहीं, वितरण में कोई रोक नहीं

भारत ऊर्जा सुरक्षा का अगुआ है। भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा पेट्रोलियम शोधक और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है, जो 150 से अधिक देशों को परिष्कृत ईंधन की आपूर्ति करता है। विश्व का शुद्ध निर्यातक होने के कारण भारत में घरेलू पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता संरचनात्मक रूप से सुनिश्चित है। देश भर में एक लाख से अधिक खुदरा ईंधन दुकानें खुली हैं और बिना किसी रुकावट के ईंधन की आपूर्ति कर रही हैं। किसी भी दुकान को आपूर्ति सीमित करने के लिए नहीं कहा गया है। विश्व भर में कई देश मूल्य वृद्धि, सीमित आपूर्ति, विषम-सम वाहन प्रतिबंध और जबरन स्टेशन बंद करने जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कुछ ही देशों ने राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल घोषित किया है। भारत में ऐसे किसी भी उपाय की आवश्यकता नहीं है। जहां अन्य देश सीमित आपूर्ति कर रहे हैं, वहीं भारत में आपूर्ति की कोई कमी नहीं है। कुछ चुनिंदा पंपों पर छिटपुट रूप से घबराहट में खरीदारी की गई है, वे सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो द्वारा फैलाई गई जानबूझकर गलत सूचना के कारण हुई। ऐसे पंपों पर मांग में वृद्धि के बावजूद, सभी उपभोक्ताओं को ईंधन की आपूर्ति की गई और तेल कंपनियों के डिपो आपूर्ति बढ़ाने के लिए रात भर चालू रहे। पेट्रोल पंप मालिकों की कार्यशील पूंजी संबंधी समस्याओं के कारण किसी भी पंप पर पेट्रोल और डीजल की कमी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए तेल कंपनियों द्वारा पेट्रोल पंपों को दी जाने वाली क्रेडिट अवधि को पहले की एक दिन की अनुमति से बढ़ाकर 3 दिन से अधिक करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं।

कच्चे तेल की आपूर्ति

होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति के बावजूद, भारत को आज दुनिया भर के अपने 41 से अधिक आपूर्तिकर्ता देशों से पहले की तुलना में अधिक कच्चा तेल प्राप्त हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों, विशेष रूप से पश्चिमी देशों से उपलब्ध उच्च मात्रा ने किसी भी व्यवधान की भरपाई कर दी है। भारत की सभी रिफाइनरियां 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर चल रही हैं। इंडियन ऑयल कंपनियों ने अगले 60 दिनों के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली है। आपूर्ति में कोई कमी नहीं है।

सरकार की चेतावनीः भ्रम फैलाने पर कार्रवाई

मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित भ्रामक वीडियो और पोस्टों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, जिनमें चुनिंदा रूप से कतारों की तस्वीरें, अन्य देशों में सीमित आपूर्ति के वैश्विक समाचार फुटेज और भारत में आसन्न लॉकडाउन तथा आपातकालीन ईंधन उपायों के पूरी तरह से फर्जी और मनगढ़ंत दावों का उपयोग करके कमी की पूरी तरह से झूठी धारणा पैदा की गई है। कुछ पोस्टों में जानबूझकर सरकारी आदेशों - जिनमें प्राकृतिक गैस नियंत्रण आदेश और एलपीजी नियंत्रण आदेश शामिल हैं - को संकट का संकेत देने वाली आपातकालीन घोषणाओं के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जबकि वास्तव में वे आपूर्ति प्राथमिकता के लिए मानक प्रशासनिक उपकरण हैं जो एक विवेकपूर्ण और पहले से तैयारी उपाय के रूप में जारी किए जाते हैं।

मंत्रालय सभी नागरिकों से आग्रह करता है कि वे ईंधन और गैस की उपलब्धता संबंधी जानकारी के लिए केवल सरकारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता के संबंध में गलत जानकारी फैलाना मौजूदा कानूनों के तहत अपराध है और सरकार जानबूझकर दहशत फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगी।

एमएसपी पर दलहन-तिलहन खरीदी जारी

बेमेतरा। जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन एवं तिलहन की खरीदी का कार्य लगातार जारी है। जिला प्रशासन द्वारा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से खरीदी की प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संचालित किया जा रहा है। उप संचालक मोरध्वज डडसेना ने बताया कि इस अभियान के तहत अरहर (तुअर) एवं सरसों की खरीदी की अंतिम तिथि 15 मई 2026 निर्धारित की गई है, जबकि चना एवं मसूर की खरीदी 30 मई 2026 तक की जाएगी। किसानों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी उपज बेचने की सलाह दी गई है, ताकि वे शासन द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूरा लाभ प्राप्त कर सकें। जिले में अब तक कुल 534 क्विंटल दलहन तिलहन की खरीदी की जा चुकी है। वर्तमान में जिले की 9 अधिसूचित सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से खरीदी का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। इन समितियों में किसानों के लिए तौल, पंजीयन, उपज की जांच, भुगतान प्रक्रिया और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कांकेर, भानुप्रतापपुर का 'मावा मोदोल' बना सफलता की मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। जिला प्रशासन द्वारा संचालित अभिनव पहल 'मावा मोदोल' (मेरा मूल मेरा भविष्य) निःशुल्क कोचिंग ने एक बार फिर अपनी प्रभावशीलता सिद्ध करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। यहां अध्ययनरत विद्यार्थियों ने सीजी पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 20 छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है, जो जिले के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बन गया है।

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की विशेष पहल पर दूरस्थ एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कोचिंग सुविधा प्रदान की जा रही है।

जिला मुख्यालय कांकेर एवं विकासखंड मुख्यालय भानुप्रतापपुर में संचालित इस कोचिंग में पिछले एक वर्ष से विद्यार्थी नियमित अध्ययन कर रहे थे। अब इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। मावा मोदोल की भानुप्रतापपुर शाखा से 12 छात्र-छात्राओं तथा कांकेर शाखा से 08 छात्र-छात्राओं ने प्रारंभिक परीक्षा में कामयाबी हासिल की है। इनमें भानुप्रतापपुर शाखा से उत्तीर्ण विद्यार्थियों में श्रीमती शिल्पा नुरेटी, कु. छबिलता देहारी, भावेश करंगा, रामगुलाल, कु. रजोतिन, राहुल ठाकुर, डेनियल वर्मा, गजेंद्र सोनवानी, लोचन प्रसाद देवांगन, कु. नेहा कोरेटी, दीप मल्लिका चुरेंद्र एवं कमल राम ठाकुर (नायब तहसीलदार) शामिल हैं। वहीं, कांकेर शाखा से उत्तीर्ण विद्यार्थियों में सुभाष नेताम, वीरेंद्र टंडन, प्रतिभा कुंजाम, प्राची वासनीकर, तुषार शेंडे (टेस्ट सीरीज लाभार्थी), दिलीप कुमार मार्कण्डेय, नीरज कुमार साहू एवं विक्रांत शामिल हैं।

इन सभी विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि आर्थिक रूप से कमजोर होने तथा सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। संस्था द्वारा उपलब्ध कराए गए मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और अनुकूल वातावरण ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और सफलता की राह आसान की। कलेक्टर क्षीरसागर ने इस उपलब्धि पर सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और प्रशासन की प्रतिबद्धता का संयुक्त परिणाम है।

उन्होंने कहा कि जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। जिला पंचायत के सीईओ हरेश मण्डावी ने छात्रों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के लिए मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है।

दशकों की बहुप्रतीक्षित मांग हुई पूरी, साढ़े 5 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्यों का अकेले कोरिया कॉलरी को मिली सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी/चिरमिरी। कोरिया कालरी क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित मांग भूमिपूजन के बाद पूरी हो गई। सिद्धबाबा मंदिर तक जाने वाली सड़क निर्माण कार्य सहित क्षेत्र में कुल 5 करोड़ 51 लाख 9 हजार रुपये के सौंदर्यीकरण विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन चिरमिरी के कोरिया कालरी में किया गया, जहां निगम महापौर राम नरेश राय, सभापति संतोष सिंह, एमआईसी सदस्य, वार्ड पार्षद सहित बड़ी संख्या भाजपा नेता स्थानीय लोग, श्रद्धालु और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि वर्षों से मंदिर तक जाने वाली सड़क खराब होने के कारण श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में हालत और भी

खराब हो जाती थी और इसको लेकर लगातार मांग उठाई जा रही थी। इस भूमिपूजन के साथ ही सिद्धबाबा मंदिर मार्ग के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इसके अलावा कोरिया कालरी क्षेत्र में अन्य विकास कार्य भी स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें कोरिया कालरी शाखा उद्यान का सौंदर्यीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल है। उद्बोधन के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि आज कोरिया कालरी के लिए बहुत बड़ा दिन है, मै बताना चाहता हूं कि मैं जहां भी जाता था वहां बोला जाता था रोड बनाओ, आप की बात पूरी होने में थोड़ा समय जरूर लगा लेकिन ये सरकारी व्यवस्थाएं है, लेकिन नगर उत्थान योजना के तहत इसे पूरा किया जाएगा और आज इसी का भूमिपूजन हुआ, दूसरा शाखा शिव मंदिर को लेकर भी विभिन्न मांग थी उसे देखते हुए लगभग 3.5 करोड़ रुपए से कई काम होगे जो भव्य होगा। आप लोग बड़ी संख्या में देर होने के बाद भी पहुंचे ये आपके दशकों की बहुप्रतीक्षित मांग के सपने के पूरा होने का प्रमाण है।

श्री जायसवाल ने आगे कहा कि आप लोगों की मांग थी कि कोरिया कालरी को मुख्यधारा से जोड़ा जाय और मैं लगातार प्रयास कर रहा हूं।अस्पताल की समस्या अब दूर हो चुकी है, और पानी के लिए भी प्रक्रिया अब अंतिम चरण में जिसके बाद हर घर में नल कनेक्शन होगा और तब यह समस्या जड़ से खत्म हो जाएगी। बिजली ट्रांसफार्मर के लिए कोरियावासी काफी जूझे है, लेकिन प्रथम चरण में जो राशि हमे मिली है उसका उपयोग गेल्हापानी, कोरिया में होगा। उन्होंने आगे कहा कि मैने कहा है महापौर जी से की आप वार्डों में जाए और छोटी मोटी समस्याओं को देखे और उसका निदान करे। उन्होंने जिला अस्पताल के संबंध में भी विस्तृत जानकारी कोरियावासियों से साझा की। उन्होंने साजा पहाड़ सड़क का भी जिक्र करते हुए कहा कि सबका साथ , सबका विकास होगा।

स्थानीय लोगों ने कहा कि यह विकास कार्य क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और लंबे समय से लोग इसका इंतजार कर रहे थे। खासकर सिद्धबाबा मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को अब आने वाले समय में बड़ी राहत मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए आने वाले समय में और भी योजनाएं लाई जाएंगी, ताकि कोरिया कालरी में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत किया जा सके।

कृषि विज्ञान केंद्र बीजापुर में कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र बीजापुर में एक्सटेंशन रिफॉर्म्स आत्मा योजना के तहत कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्यिकी एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान भाई-बहन शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इस अवसर पर डॉ. राजीव शर्मा उप संचालक पशुपालन, अरुण सकनी कृषि विज्ञान केन्द्र बीजापुर मत्स्य विभाग से दामोदर यालम एवं कृष्णा कुमार सिन्हा सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ अरविंद आयाम कार्यक्रम सहायक द्वारा किया गया जिसमें उन्होंने फसलों में लगने वाले कीटों के प्रकोप एवं नियंत्रण उपायों के साथ-साथ मशरूम उत्पादन पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. राजीव शर्मा ने पशुपालन से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी वहीं कृष्णा कुमार सिन्हा ने बीजामृत, नीमास्त्र, जीवामृत एवं सिंचाई योजनाओं पर प्रकाश डाला। दामोदर यालम ने मत्स्य पालन की संभावनाओं एवं योजनाओं के बारे में बताया। डॉ. अरुण कुमार सकनी ने प्राकृतिक खेती के लाभों पर जोर दिया। उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ. भूपेंद्र कुमार तारम ने पोषण वाटिका एवं उद्यानिकी फसलों की जानकारी दी जबकि डॉ. राजकमल पटेल एग्रोनॉमी ने दलहनी एवं तिलहनी फसलों पर मार्गदर्शन दिया। इसके अलावा डॉ मिथलेश कुमार ने कृषि उपकरणों एवं मशीनों की जानकारी दी तथा डॉ. दिनेश मरापी फार्म मैनेजर ने फसल प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की।कार्यक्रम का मुख्य व्याख्यान डॉ. योगेश कुमार मेश्राम द्वारा दिया गया।

खास खबर

शादी का झांसा देकर 10 साल तक शोषण : आरोपी फरार

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से धोखाधड़ी और शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। बिश्रामपुर थाना क्षेत्र में एक युवक पर शादी का झांसा देकर लंबे समय तक युवती का शारीरिक शोषण करने का आरोप लगा है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी शुभम अग्रवाल ने वर्ष 2015 में उसे प्रेम संबंध में फंसाया और शादी का वादा किया। इस भरोसे का फायदा उठाते हुए वह करीब 10 वर्षों तक उसके साथ संबंध बनाता रहा। बताया जा रहा है कि हाल ही में आरोपी की शादी कहीं और तय होने लगी, जिसके बाद उसने पीड़िता से विवाह करने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद से आरोपी फरार हो गया है। पीड़िता ने बिश्रामपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

शराब के पैसों के लिए बहन पर हथौड़े से हमला, आरोपी भाई गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर के कोनी इलाके में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई, जहां शराब के लिए पैसे नहीं देने पर एक युवक ने अपनी ही बहन पर हथौड़े से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।कोनी थाना क्षेत्र में 24 मार्च 2026 की रात घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब मानेश्वर मनहर (33 वर्ष), निवासी आनंद मार्ग स्कूल के पास, नशे की हालत में अपनी बहन के घर पहुंचा। पीड़िता मिनेश्वरी मनहर घर में अकेली थी, तभी आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उसे बाल पकड़कर बाहर खींच लिया। आरोपी ने शराब पीने के लिए पैसे मांगे और मना करने पर पास में रखे हथौड़े से सिर, हाथ और पीठ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से पीड़िता बेहोश हो गई। पीड़िता की शिकायत पर थाना कोनी में अपराध क्रमांक 116/2026 के तहत धारा 296, 115(2), 119(1) और 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से युवक की मौत

अभनपुर। राजधानी रायपुर से लगे अभनपुर क्षेत्र के गोबरा नवापारा में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना चंपारण चौक के पास हुई, जहां रेत से भरे तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भयानक थी कि युवक हाईवा के नीचे फंस गया और चालक ने उसे करीब 200 फीट तक घसीट दिया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। गरियाबंद और धमतरी क्षेत्रों से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन लगातार जारी है। इन्हीं हाईवा वाहनों की आवाजाही के कारण इस मार्ग पर दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद खनिज विभाग की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ढाई किलो गांजा जब्त, महिला तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के बीच कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला तस्कर को रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके से करीब ढाई किलो गांजा बरामद हुआ है, जिससे इलाके में अवैध नशे के नेटवर्क की सक्रियता उजागर हुई है। 25 मार्च 2026 को मिली पुख्ता मुखबिर सूचना पर पुलिस टीम ने मरवाही श्मशान घाट क्षेत्र में दबिश दी। यहां एक महिला द्वारा गांजा की अवैध बिक्री किए जाने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर संदेही महिला को पकड़ा। नाम मंशा पाण्डेय (23 वर्ष), निवासी दुलारी नगर, मरवाही श्मशान घाट के पास, थाना सिटी कोतवाली, जिला रायपुर बताया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

खारून ब्रिज मरम्मत के दौरान डायवर्सन व्यवस्था लागू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक कुम्हारी खारून नदी ब्रिज में मरम्मत कार्य के दौरान यातायात डायवर्सन लागू किया जाएगा। भारी, मध्यम एवं छोटे वाहनों हेतु अलग-अलग वैकल्पिक मार्ग निर्धारित कर विस्तृत योजना तैयार की गई है। डायवर्सन मार्गों में संभावित बाधाओं का परीक्षण कर सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किया गया है। निर्माण कार्य अवधि में 24 घंटे निगरानी, क्रेन एवं यातायात नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 भिलाई में कुम्हारी स्थित खारून नदी ब्रिज में प्रस्तावित मरम्मत कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने बैठक की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशमें संपन्न बैठक में पुलिस विभाग से यातायात प्रभारी रिचा मिश्रा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर वीरेंद्र ठाकुर जिला प्रशासन, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, बीएसपी एवं निर्माण एजेंसी के अधिकारियों द्वारा सहभागिता की गई।

बैठक के दौरान सभी प्रस्तावित डायवर्सन मार्गों का विस्तृत परीक्षण कर यातायात दबाव, मार्ग की स्थिति, संभावित जाम बिंदुओं एवं वैकल्पिक मार्गों की उपलब्धता का आकलन किया गया। प्रत्येक बिंदु पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा डायवर्सन व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा सभी अधिकारियों और यातायात प्रभारी को सम्पूर्ण मार्ग व्यवस्था का भ्रमण कर आकलन रिपोर्ट देने निर्देश दिए गए हैं।

दुर्ग पुलिस ने समस्त वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा है कि 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक कुम्हारी मार्ग का उपयोग करने से बचें एवं निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें। यातायात नियमों का पालन करें तथा पुलिस द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन कर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

हल्के वाहन कार, जीप, टाटा एस, पिक-अप का डायवर्सन प्लान

दुर्ग से रायपुर की ओर डायवर्सन प्लान

दुर्ग से रायपुर एयरपोर्ट, नया रायपुर, मंत्रालय, आरंग, अभनपुर की ओर जाने वाले हल्के वाहन नेवई उतई- सेलूद पाटन अभनपुर मार्ग का उपयोग करें।

सुपेला, भिलाई, रिसाली, नेवई से रायपुर की ओर जाने वाले हल्के वाहन उतई- सेलूद ढौर औरी-मोतीपुर अमलेश्वर से रायपुर मार्ग का उपयोग करें।

खुर्सीपार, चरोदा, भिलाई-3 से रायपुर की ओर जाने वाले हल्के वाहन सिरसा गेट- सिरसा खुर्द औरी-मोतीपुर अमलेश्वर से रायपुर मार्ग का उपयोग करें।

नंदिनी, अहिरवारा, कुम्हारी से रायपुर की ओर जाने वाले सभी प्रकार के हल्के वाहन कुम्हारी टोल पार कर दाहिने पुल से होकर खारून नदी ब्रिज से आवागमन करेंगे।

रायपुर से दुर्ग की ओर डायवर्सन प्लान

भनपुरी, गुढ़ियारी, हीरापुर, टाटीबंध से दुर्ग जाने वाले हल्के वाहन चालक (कार चालक एवं बाइक) चन्दनीडीह से लेफ्ट होकर पुराना रपटा पुल का प्रयोग कर कुम्हारी टोल तक जा सकेंगे।

रायपुर से दुर्ग की ओर जाने वाले हल्के वाहन (कार एवं मोटरसाइकिल) रायपुरा से महादेवघाट की ओर मुड़कर अमलेश्वर मोतीपुर होकर भिलाई दुर्ग जाने के लिए इस मार्ग का उपयोग करे !

भारी मध्यम वाहन का डायवर्सन प्लान

दुर्ग से रायपुर की ओर प्रस्थान करने वाले भारी वाहन कुम्हारी टोल पारकर दाहिने पुल से होकर खारून नदी ब्रिज से सिंगल लाईन पर आवागमन करेंगे।

राजनांदगांव से रायपुर जाने वाले भारी वाहनों को दुर्ग बाई-पास मार्ग पर बाफना टोल प्लाजा के पास प्रात: 08:30 बजे से 10:30 बजे तक रोका जायेगा।

भिलाई औद्योगिक क्षेत्र तथा ट्रांसपोर्ट नगर भिलाई से निकलने वाले भारी वाहनों को प्रात: 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक कुम्हारी की ओर जाना निषेध रहेगा।

नंदिनी, अहिरवारा, बेरला से रायपुर जाने वाले भारी वाहनों को मुरमुंदा- ओटेबंध-गुधेली पठारीडीह होकर उरला (रिंग रोड नम्बर 04) की ओर प्रस्थान करेंगे।

रायपुर से दुर्ग की ओर डायवर्सन प्लान

रायपुर से दुर्ग की ओर प्रस्थान करने वाले भारी वाहन कुम्हारी खारून नदी ब्रिज से सिंगल लाईन पर आवागमन करेंगे।

महासमुंद से दुर्ग की ओर जाने वाले भारी वाहनों को मंदिर हसौद के पास सायं 05 बजे से रात्रि 08 बजे तक रोका जायेगा।

उरला सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र तथा बिलासपुर की ओर से आने वाले भारी वाहनों को सायं 05 बजे से रात्रि 08 बजे तक रिंग रोड नम्बर 04 में नंदन वन कटिंग के पास रोका जायेगा ।

बीएसपी प्लांट से आए अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि उक्त मरम्मत कार्य के दौरान प्लांट से रायपुर जाने वाले वाहनों को उतई से सेलुद, फूंडा- मोतीपुर मार्ग का प्रयोग करने कहा गया।

निर्माण एजेंसी को निर्देश

- खारून नदी ब्रिज का मरम्मत करने वाले एजेंसी को निर्माण कार्य के दौरान प्राप्त वालेंटियर 24 घंटे तैनात करने कहा गया।
- कुम्हारी ब्रिज के दोनों और किसी प्रकार के वाहन खराब होने पर तत्काल हटाने 24 घंटे क्रेन उपलब्ध कराने,साथ ही सिरसा गेट चौक अमलेश्वर में भी क्रेन उपलब्ध कराने कहा गया।
- सभी वाहन डायवर्सन पॉइंट में वाहन डायवर्सन का रूट मैप लगाने, डायवर्सन मार्ग में पर्याप्त दिशा निर्देश का फ्लेक्स लगाने कहाँ गया।

विस्तृत दिशा-निर्देश

- सभी डायवर्सन प्वाइंट पर स्पष्ट संकेतक बोर्ड, रूट मैप एवं दिशा-निर्देश फ्लेक्स अनिवार्य रूप से लगाए जाएंगे।
- निर्माण एजेंसी द्वारा मरम्मत कार्य अवधि में 24 घंटे प्रशिक्षित वालेंटियर तैनात किए जाएंगे।
- कुम्हारी ब्रिज के दोनों ओर, सिरसा गेट चौक एवं अमलेश्वर क्षेत्र में 24 घंटे क्रेन उपलब्ध रखी जाएगी, जिससे खराब वाहनों को तत्काल हटाया जा सके।
- यातायात पुलिस द्वारा प्रमुख डायवर्सन प्वाइंट पर अतिरिक्त बल तैनात कर यातायात नियंत्रण सुनिश्चित किया जाएगा।
- भारी वाहनों का निर्धारित मार्ग से ही आवागमन सुनिश्चित किया जाएगा, उल्लंघन करने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।
- आम नागरिकों को असुविधा से बचाने हेतु वैकल्पिक मार्गों की जानकारी विभिन्न माध्यमों से प्रसारित की जाएगी।

रायगढ़ में जिला प्रशासन ने नाबालिग का विवाह रुकवाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में नाबालिग लड़की की शादी की जा रही थी। प्रशासन को सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए विवाह कार्यक्रम को रोक दिया गया। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

दरअसल गुरुवार को प्रशासन को सूचना मिली कि शहरी क्षेत्र में 16 वर्षीय लड़की का विवाह कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही महिला-बाल विकास विभाग, पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने सामुदायिक भवन पर दबिश दी।

जहां शादी की तैयारियां पूरी हो चुकी थी, लेकिन टीम ने शादी रोकी और परिजनों से लड़की की आयु से संबंधित दस्तावेज पेश करने को कहा गया। दस्तावेजों की जांच में पता चला कि लड़की की आयु केवल 16 साल 5 महीने 13 दिन है, जो विवाह के लिए आवश्यक 18 साल से कम है।

टीम ने तुरंत शादी रुकवा दी और स्पष्ट किया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। अधिकारियों ने लड़की के परिवार को बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया। परिवार से एक लिखित घोषणा पत्र भी भरवाया गया, जिसमें उन्होंने शपथ ली कि लड़की के 18 साल की आयु पूरी होने से पहले उसकी शादी नहीं की जाएगी।

चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर जानकारी देने की अपील

टीम ने सामुदायिक भवन के संचालक को भी मौके पर तलब किया गया और सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में किसी भी वैवाहिक कार्यक्रम के लिए भवन किराए पर देने से पहले वर-वधु के आयु प्रमाण पत्रों का अनिवार्य रूप से सत्यापन सुनिश्चित करें।

प्रशासन आम नागरिकों से अपील करता है कि यदि कहीं भी बाल विवाह जैसी गतिविधि की जानकारी मिले, तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या नजदीकी प्रशासनिक कार्यालय को सूचित करें, ताकि समय रहते ऐसी कुरीतियों पर रोक लगाई जा सके।

रेत खदान में किसान की मौत

जगदलपुर। बस्तर में रोजी-रोटी की जद्दोजहद ने एक और जान ले ली, जहां सिटी कोतवाली क्षेत्र के बनियागांव में रेत निकालते वक्त किसान की दर्दनाक मौत हो गई। मंगलवार को बल्लारी नाला में हाथ से रेत निकालने के दौरान अचानक धंसान हुआ और किसान गहरे गड्ढे में समा गया। देखते ही देखते मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल मदद की गुहार लगाई प्रशासन और ग्रामीणों की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन रेत की गहराई ने राहत कार्य को बेहद मुश्किल बना दिया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से शव बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान सुखराम पोयाम 37 निवासी मांझीपारा बनियागांव के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि वह गौठान के पीछे नाले से रेत निकाल रहा था तभी हादसा हुआ। घटना ने असुरक्षित खनन की सच्चाई उजागर कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। अब सवाल यही है कि आखिर कब तक पेट की आग बुझाने के लिए लोग जान जोखिम में डालते रहेंगे।

रेंजर और डिप्टी-रेंजर 50 हजार रिश्वत लेते पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में अचानकमार टाइगर रिजर्व के सुरही रेंजर और डिप्टी रेंजर को 50 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है। बिलासपुर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने ये कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपियों में पल्लव नायक (रेंजर) और मनीष श्रीवास्तव (डिप्टी रेंजर) शामिल हैं। दरअसल, दिसंबर 2025 में लोरमी राजघराने का बेटा और उसके साथी अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) के कोर एरिया में हथियार लेकर घुसे थे। इस दौरान उन्होंने एयर गन से फायरिंग के साथ वीडियो बनाया था। रील वायरल होने के बाद वन विभाग ने उनके खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसी केस को जल्द निपटाने विभाग के अधिकारियों ने रिश्वत मांगी थी।

जिसने फायरिंग का वीडियो बनाया, उसी ने की शिकायत

एसीबी के डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया कि, लोरमी निवासी अजीत कुमार वैष्णव ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि, दिसंबर 2025 में वह अपने साथियों के साथ गाड़ी से अचानकमार टाइगर रिजर्व के सुरही रेंज में घूमने गया था। इस दौरान फायरिंग करते बनाया गया रील सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। वन विभाग ने उनके खिलाफकार्रवाई करते हुए वाहन जब्त कर लिया था। वे करीब 18 दिन तक जेल में भी रहे।

70 हजार रुपए की मांगी थी रिश्वत

जेल से छूटने के बाद शिकायतकर्ता केस में जल्द चालान पेश करने के लिए डिप्टी रेंजर मनीष श्रीवास्तव से मिला। आरोप है कि, डिप्टी रेंजर ने चालान पेश करने में 4 से 5 लाख खर्च होने की बात कही और जब्त वाहन छोड़ने के लिए 70 हजार रुपए रिश्वत की मांग की।

रेस्टोरेंट में पकड़े गए

शिकायत सही पाए जाने के बाद, एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। 26 मार्च को शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किश्त देने के लिए मित्र मिलन रेस्टोरेंट भेजा गया। शिकायतकर्ता ने 50 हजार रुपए डिप्टी रेंजर को दिए, तभी एसीबी की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ लिया। मौके पर रेंजर पल्लव नायक भी मौजूद थे। एसीबी ने आरोपी मनीष श्रीवास्तव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 और पल्लव नायक के खिलाफ धारा 7 और 12 के तहत कार्रवाई शुरू की है। आरोपी से 50 हजार रुपए की रिश्वत राशि बरामद कर ली गई है।

2 साल में 45वीं ट्रैप कार्रवाई

एसीबी के अनुसार, पिछले 2 साल में एसीबी बिलासपुर की यह लगातार 45वीं ट्रैप कार्रवाई है। एसीबी ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी भी विभाग का लोकसेवक रिश्वत की मांग करता है तो उसकी सूचना तुरंत उन्हें दें, जिससे भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

कोरबा के स्वास्थ्य केन्द्र में हादसा, छत का प्लास्टर गिरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरदीबाजार एसईसीएल दीपका खदान के मुहाने पर जा पहुंचा है। खदान में हो रहे उत्खनन कार्य के कारण अस्पताल की दीवारों में दरारें आ चुकी हैं। छत का प्लास्टर गिर रहा है। बुधवार को भी ऐसी ही घटना सामने आई, जब हैवी ब्लास्टिंग से प्रसुति वार्ड की छत का प्लास्टर भरभराकर गिर गया। घटना में अस्पताल के स्टाफ बाल बाल बच गए। ग्रामीणों ने बताया कि एसईसीएल दीपका खदान से लगातार कोयला उत्पादन को विस्तार दिया जा रहा है। जिसके कारण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरदीबाजार एसईसीएल दीपका खदान के लगभग 30 मीटर मुहाने पर पहुंच चुका है। जिसके कारण अस्पताल के स्टाफ व इलाज कराने आने वाले मरीजों में दहशत बनी रहती है। खदान में हो रहे हैवी ब्लास्टिंग के कारण स्वास्थ्य केन्द्र भवन के चारों ओर दरारें आ चुकी हैं। वहीं अस्पताल में पेयजल की समस्या भी निर्मित हो रही है।

बुधवार की दोपहर पुन: अस्पताल के प्रसुति वार्ड के छत का प्लास्टर भरभराकर गिर गया। जिस दौरान घटना हुई, उस समय वार्ड के नर्स व अन्य स्टाफ वहां मौजूद थे, जो चपेट में आने से बाल बाल बच गए। इस संबंध में बार बार उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद समस्या निजात को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

गैस एजेंसी में ग्राहक से मारपीट करने वाले बाउंसर्स गिरफ्तार, पुलिस ने की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र स्थित शताक्षी गैस एजेंसी में बुधवार को ग्राहक के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। खुर्सीपार पुलिस ने इस मामले में तीन बाउंसरों को हिरासत में लेकर उनपर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार 25 मार्च को थाना खुर्सीपार क्षेत्र अंतर्गत शताक्षी गैस एजेंसी खुर्सीपार में गैस सिलेंडर लेने आए ग्राहक संतोष कुमार बैठा, उम्र 32 वर्ष, निवासी दुर्गा मंदिर खुर्सीपार द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया कि वह गैस लेने हेतु एजेंसी के सामने लाइन में खड़ा था। इसी दौरान लाइन में लगने की बात को लेकर एजेंसी के बाउंसरों द्वारा वाद-विवाद , धक्का-मुक्की और मारपीट की गई।

प्राप्त आवेदन के आधार पर थाना खुर्सीपार द्वारा मामले की जांच कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 170/126, 135(3) बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई एवं उन्हें अनुविभागीय दंडाधिकारी, छावनी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस मामले में पुलिस द्वारा हरिओम चौधरी, उम्र 23 वर्ष, निवासी हाथखोज भिलाई, विकास सिंह, उम्र 27 वर्ष, निवासी खुर्सीपार तथा विक्की विश्वकर्मा, उम्र 30 वर्ष, निवासी कैंप 01 छावनी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। उक्त कार्यवाही में थाना खुर्सीपार पुलिस स्टाफकी त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई रही, जिसके परिणामस्वरूप समय रहते विवाद को नियंत्रित कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम की गई।

घंटाघर मुख्य मार्ग पर सरेआम मारपीट बढ़ती घटनाओं से शहर में दहशत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के घंटाघर मुख्य रोड पर सरेआम मारपीट की घटना सामने आई है। दो पक्षों के बीच हुई इस झड़प का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार देर शाम की है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक युवक को कुछ लोग घेरकर मुक्कों से जमकर पीट रहे हैं। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन कुछ देर बाद फिर विवाद बढ़ गया और मारपीट जारी रही। बताया जा रहा है कि मारपीट करने वालों में रवि शंकर सहित आसपास के रहने वाले अन्य लोग शामिल हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पुरानी रंजिश के चलते दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ।

सिविल लाइन थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। वायरल वीडियो के आधार पर भी आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही धारा 151 के तहत भी कार्रवाई की जा रही है। घंटाघर जैसे व्यस्त इलाके में हुई इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

मवेशियों को मारते-पीटते ले जा रहा था तस्कर, गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ लैलूंगा पुलिस ने 6 कृषक मवेशियों को मुक्त कराते हुए तस्कर को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा है। बुधवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति 6 बैल-बछड़ों को मारपीट करते हुए, बिना चारा-पानी के ग्राम कुंजारा की ओर से लैलूंगा होते हुए ओडिशा जा रहा है। सूचना पर पुलिस की टीम ने अटल चौक लैलूंगा पहुंचकर घेराबंदी की, जहां एक व्यक्ति 4 बैल व 2 बछड़ों के साथ मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम समारू यादव (49) निवासी भुईयापानी लैलूंगा बताया। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह उक्त मवेशियों को कुसु यादव निवासी सिहारधार लैलूंगा के कहने पर ओडिशा ले जा रहा था।

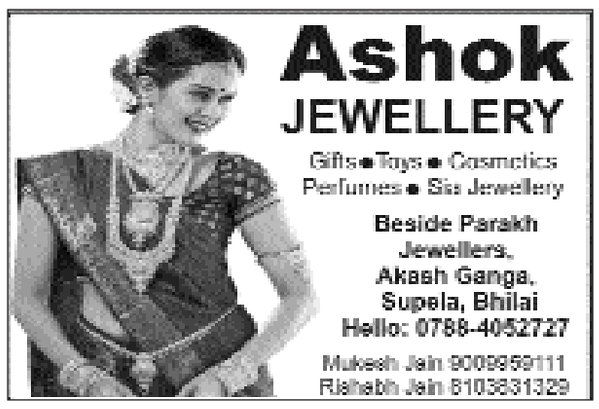

खास खबर

धीरेन्द्र शास्त्री की हनुमंत कथा 28 मार्च से

कोरबा। बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा 28 मार्च से बांकीमोंगरा और कटघोरा के नजदीक ढपढप में शुरू हो रही है। पांच दिन तक चलने वाले इस आयोजन के लिए समिति ने लोगों से अलग-अलग स्तर पर अच्छा सहयोग मिलने की बात कही। दावा है कि लाखों की संख्या में लोग यहां पहुंचेंगे। उनके लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। प्रेस क्लब में आयोजन समिति के संरक्षक जुड़ावन सिंह ठा., संयोजक अमरजीत सिंह, सचिव डॉ. पवन सिंह, संरक्षक सुबोध सिंह, मातृशक्ति प्रमुख रितु चैरसिया और राणा मुखर्जी ने आज बातचीत की। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से तीन स्थानों को इस आयोजन के लिए देखा गया था। अंतिम स्तर पर हर दृष्टि से ढपढप की जगह तय की गई। 200 एकड़ के कुल क्षेत्रफल में बड़ी संख्या में लोगों के आने जाने और अन्य सुविधा दी जानी संभव हुई है। बताया गया कि कोरबा सहित आसपास के इलाके से हर दिन लगभग 1 लाख लोगों की आने की संभावना है। आयोजन समिति इस हिसाब से भोजन प्रसादी और अन्य सुविधा कर रही है। बड़े आयोजन की दृष्टि से लोगों ने अलग-अलग काम के लिए सहयोग किया है। संयोजक अमरजीत सिंह ने बताया कि आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री बागेश्वर धाम में नवरात्र पर 9 दिन की साधना कर रहे हैं। इसके ठीक बाद उनकी पहली कथा का आयोजन कोरबा जिले में है। हम ऐसा मानकर चलते हैं कि इसके कई सकारात्मक प्रभाव कोरबा जिले के मामले में अवश्य होंगे। इसलिए इस आयोजन में सहयोग करने के लिए कोरबा सहित विभिन्न क्षेत्रों के हिन्दूजन पूजन कर रहे हैं।

कर्नाटक के तैराक मणिकांता ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की, छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत ने जीता दूसरा पदक

कक्षा में लिया गया एक साधारण फैसला बना सफलता की नींव, आगामी स्पर्धाओं में पर्सनल बेस्ट सुधारने पर फोकस

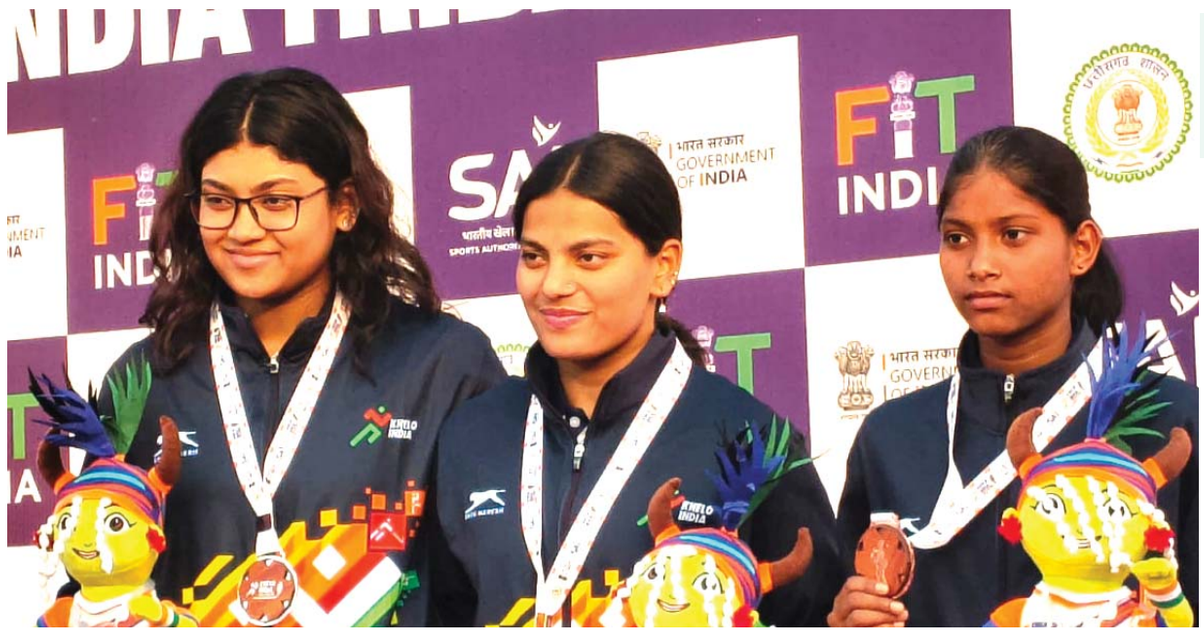

15 वर्षीय अंजलि बनीं खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 की पहली महिला स्वर्ण पदक विजेता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कर्नाटक के तैराक मणिकांता एल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अपना तीसरा लगातार स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की। वहीं ओडिशा की अंजलि मुंडा ने महिलाओं की स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया।

यह उपलब्धियां उन्होंने गुरुवार को यहां खेले जा रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दूसरे दिन हासिल कीं। मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए भी खुशी की बात रही, जहां स्थानीय तैराक अनुष्का भगत ने महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में दूसरा स्थान हासिल कर अपना दूसरा रजत पदक जीता।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के इस पहले संस्करण में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें लगभग 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जबकि मल्लखंब और कबड्डी को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है।

मणिकांता, जिन्होंने बुधवार को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीते थे, ने अपना दबदबा जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले 2:25.93 सेकंड में जीत लिया। त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा (2:34.04 सेकंड) ने रजत और ओडिशा के कान्हू सोरेन (2:36.21 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अंजलि मुंडा ने 2:53.82 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत (2:59.33 सेकंड) ने रजत और ओडिशा की अंजलि मलिक (3:06.13 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। पदक तालिका में कर्नाटक छह स्वर्ण और दो रजत पदकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि ओडिशा तीन स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

वेटलिफ्टिंग में असम की मोनिखा सोनोवाल और मिजोरम के इसाक मालसावम्तलुआंगा ने चोट से जूझते हुए शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीते। मोनिखा ने घुटने की चोट के बावजूद महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में 57 किग्रा स्नैच और 75 किग्रा क्लीन एंड जर्क के साथ कुल 132 किग्रा उठाकर स्वर्ण पदक जीता। ओडिशा की दीपा रानी मलिक (120 किग्रा) ने रजत और अंडमान-निकोबार की अलास्का अलीना (115 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया।

मोनिखा, जो असम के धेमाजी जिले से हैं, ने बताया कि तीन महीने पहले अभ्यास के दौरान उनका घुटना मुड़ गया था और कोच उन्हें प्रतियोगिता से हटाने पर विचार कर रहे थे, लेकिन उन्होंने खेलने का फैसला किया। उन्नीस साल के खिलाड़ी ने कहा, मैं इस प्रतियोगिता को मिस नहीं करना चाहती थी क्योंकि मैं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाना चाहती थी। मुझे खुशी है कि मैं दबाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकी।

मिजोरम के इसाक मालसावम्तलुआंगा भी पीठ की चोट से जूझ रहे थे। स्नैच में 108 किग्रा उठाने में संघर्ष के कारण वह दूसरे स्थान पर थे, लेकिन क्लीन एंड जर्क में शानदार वापसी करते हुए 130 किग्रा उठाकर कुल 235 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। झारखंड के बाबूलाल हेम्ब्रम (230 किग्रा) ने रजत और ओडिशा के सुब्रत नाइक (228 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता।

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी-कभी जीवन की दिशा एक छोटे से निर्णय से बदल जाती है। ओडिशा की 15 वर्षीय अंजलि मुंडा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। वर्ष 2022 में कक्षा में खेल चयन के दौरान उन्होंने तैराकी को चुना—एक ऐसा खेल जिसे वे उस समय सिर्फ मनोरंजन के रूप में जानती थीं। आज, वही निर्णय उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक उपलब्धि तक ले आया है। ओडिशा के जाजपुर जिले के गहिरागड़िया गांव की रहने वाली अंजलि ने रायपुर में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 2:39.02 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही वे इस प्रतियोगिता की पहली महिला स्वर्ण पदक विजेता बन गईं।

साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली अंजलि चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। उनके पिता एक स्थानीय फैक्ट्री में वैन चालक हैं। 10 वर्ष की आयु में वे कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज से जुड़ीं, जहां उन्हें निःशुल्क शिक्षा और प्रशिक्षण मिला। यहीं से उनके खेल करियर की नींव मजबूत हुई। शुरुआत में वे अपनी बड़ी बहन से प्रेरित थीं, जो तीरंदाजी में सक्रिय हैं, लेकिन अंजलि ने तैराकी को अपना मार्ग चुना। उनकी मेहनत जल्द ही रंग लाई और तैराकी शुरू करने के एक वर्ष के भीतर ही उन्होंने एक स्थानीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

अंजलि अपनी सफलता का श्रेय अपने कोचों और खेल मंत्रालय की 'अस्मिता लीग' पहल को देती हैं। वर्ष 2024 में संभलपुर में आयोजित इस लीग में उन्होंने दो रजत पदक जीते थे, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। इसके बाद गुवाहाटी में आयोजित अस्मिता स्विमिंग लीग (ईस्ट जोन) में भी उन्होंने दो रजत पदक हासिल किए। हालांकि, इस उपलब्धि के बावजूद अंजलि संतुष्ट नहीं हैं। उनका लक्ष्य अपने 2:25 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय को बेहतर करना है। लगातार यात्रा और थकान के बावजूद उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। अब अंजलि की नजर आगामी स्पर्धाओं—50 मीटर बैकस्ट्रोक, 100 मीटर बैकस्ट्रोक और 200 मीटर इंडिविजुअल मेडली—पर है, जहां वे अपने प्रदर्शन को और बेहतर करने के इरादे से उतरेंगी।

अंजलि मुंडा की यह सफलता न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सही अवसर और मार्गदर्शन मिलने पर प्रतिभा किस तरह नई ऊंचाइयों को छू सकती है।

उप मुख्यमंत्री साव खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स देखने पहुंचे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव आज रायपुर के पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय मैदान पहुंचकर खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत आयोजित वेट-लिफ्टिंग स्पर्धा देखने पहुंचे।

उन्होंने विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाड़ियों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई भी की। साव ने आज के वेट-लिफ्टिंग स्पर्धा के विजेताओं को पदक भी वितरित किए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार भी इस दौरान मौजूद थे।

एशियन गेम्स का पदक जीतना मेरा अधूरा सपना केआईटीजी उद्घाटन पर बोलीं मीराबाई चानू

टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स को बताया गेम-चेंजर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स को बताया गेम-चेंजरटोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सेखोम मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के उद्घाटन अवसर पर अपने करियर के सबसे बड़े अधूरे लक्ष्य, एशियन गेम्स पदक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह सपना अब भी उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले एक दशक से भारतीय वेटलिफ्टिंग की अग्रणी खिलाड़ी रही मीराबाई ने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में कई पदक जीते हैं, लेकिन एशियाई खेलों में पदक अब तक उनसे दूर रहा है। उन्होंने 2014 इंचियोन एशियन गेम्स में 19 वर्ष की उम्र में पदार्पण किया था, जहां वे नौवें स्थान पर रहीं। इसके बाद 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में पीठ की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले सकीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में हिप की चोट ने उनका सपना अधूरा छोड़ दिया।

31 वर्षीय मीराबाई ने कहा कि एशियन गेम्स मेरे लिए बेहद खास है। वहां प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा होता है, और यही इसे सबसे चुनौतीपूर्ण बनाता है। मेरा सपना है कि मैं वहां पदक जीतूं। हालांकि, इस लक्ष्य की राह आसान नहीं है। नियमों में बदलाव के कारण उन्हें 48 किलोग्राम और 49 किलोग्राम वर्ग के बीच संतुलन बनाना होगा। वे 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में 48 किलोग्राम वर्ग में उतरेंगी, जबकि 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नागोया (जापान) में आयोजित एशियन गेम्स में 49 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

उन्होंने बताया कि कॉमनवेल्थ गेम्स तक मैं 48 किलोग्राम में खेलूंगी, लेकिन एशियन गेम्स के लिए फिर से 49 किलोग्राम वर्ग में आना होगा, जो एक बड़ी चुनौती है। मीराबाई ने हाल ही में राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किलोग्राम वर्ग में तीन नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने स्नैच में 89 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 116 किलोग्राम वजन उठाते हुए कुल 205 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

इस अवसर पर उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन देश के दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिलता है, खासकर उत्तर-पूर्व और जनजातीय इलाकों में जहां बहुत टैलेंट है, लेकिन मंच की कमी रहती है।

मीराबाई ने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस , खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और साई ट्रेनिंग सेंटर की भी प्रशंसा की। उनके अनुसार, इन संस्थानों में खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, पोषण और सुविधाएं मिल रही हैं, जो भारतीय खेलों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

राज्यपाल डेका से धमतरी के सुदूर वनांचल क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चों ने की आत्मीय मुलाकात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में धमतरी जिले के सुदूर आदिवासी एवं वनांचल विकासखंड नगरी के विशेष प्रतिभावान स्कूली बच्चों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान बच्चों की प्रतिभा और उपलब्धियों पर राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस समूह में शामिल 22 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए हुआ है, जबकि पांच बच्चों ने स्पोकन इंग्लिश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। क्षेत्र की विशेष प्रतिभा एआई वीडियो क्रिएटर सातवीं कक्षा की छात्रा कुमारी गरिमा साहू द्वारा तैयार वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया, जिसकी राज्यपाल डेका ने सराहना की और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्यपाल ने इन बच्चों की सफलता में योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया और कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को आगे बढ़ाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

राज्यपाल ने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना बहुत आवश्यक है। लक्ष्य को सामने रखकर निरंतर मेहनत और लगन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सरकारी स्कूलों के बच्चों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

राज्यपाल ने उपस्थित सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। उन्होंने बच्चों से कहा कि इस राशि का उपयोग अपनी पढ़ाई और आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में करें। साथ ही, उन्हें गुल्लक भी प्रदान किए गए, ताकि उनमें नियमित बचत की आदत विकसित हो सके।

इस अवसर पर राज्यपाल की उपसचिव श्रीमती निधि साहू सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्राम सरपंच, संबंधित स्कूलों के प्रधान पाठक, शिक्षक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय से गोवा के खेल एवं जनजातीय कल्याण मंत्री रमेश तावड़कर की सौजन्य भेंट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गोवा के खेल एवं युवा मामले तथा जनजातीय कल्याण मंत्री रमेश तावड़कर ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए तावड़कर का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह एवं जशपुर के स्थानीय उत्पाद भेंट किए।

मुख्यमंत्री साय ने तावड़कर से जनजातीय कल्याण और खेलों के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और राज्य में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित कर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि देश के प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' का आयोजन छत्तीसगढ़ में होना राज्य के लिए गौरव का विषय है। यह आयोजन न केवल जनजातीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उल्लेखनीय है कि रमेश तावड़कर के नेतृत्व में गोवा सरकार का प्रतिनिधिमंडल 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में सहभागिता हेतु छत्तीसगढ़ प्रवास पर है। यह प्रतिनिधिमंडल खेल आयोजन में भागीदारी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ मुक्तांगन, आदिवासी संग्रहालय सहित राज्य की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और विरासत से जुड़े विभिन्न स्थलों का अवलोकन भी करेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950